सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 286 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 29 जुलाई 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

आवश्यकता है

मीडिया हाउस

में काम करने के लिए
ऑफिस बॉय की जरूरत है।

8 से 10 हजार रुपए तक वेतन

पता : शॉप नंबर 12, रेलवे क्रासिंग के पास, आकाशगंगा , सुपेला, भिलाई
संपर्क : 9827806026, 8319932659

भाजपा की राष्ट्रीय टीम : डॉ रमन, सरोज व लता उसेंडी को मिली जगह

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बनाई नई टीम, चुने 38 पदाधिकारी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने अपनी नई टीम बनाई है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की नई टीम में 13 राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, आठ राष्ट्रीय महामंत्री, एक राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन), एक राष्ट्रीय सह-संगठन महामंत्री, एक कोषाध्यक्ष, एक सह-कोषाध्यक्ष और 13 राष्ट्रीय सचिव के नामों का एलान किया गया है। छत्तीसगढ़ से पूर्व सीएम डॉ रमन सिंह, राज्यसभा सांसद डॉ सरोज पाण्डेय व पूर्व मंत्री लता उसेंडी को जगह मिली है। छत्तीसगढ़ के इन तीनों नेताओं को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। छत्तीसगढ़ से इनके अलावा किसी भी नेता को जगह नहीं मिली है। डॉ रमन सिंह इससे पहले भी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष का दायित्व निभा रहे थे।

भारतीय जनता पार्टी ने अपने केंद्रीय पदाधिकारियों की सूची जारी कर दी है। इसमें अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव और आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर कई समीकरणों का ध्यान रखा गया है। हालांकि, नई सूची में ज्यादातर पदाधिकारियों को उपाध्यक्ष, महासचिव और सचिव के पद पर बरकरार रखा गया है। भाजपा की ओर से जारी सूची में राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुबर दास और सौदान सिंह को पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसके अलावा कैलाश विजयवर्गीय, अरुण सिंह और तरुण चुग को महामंत्री बनाया गया है। इसके साथ ही बीएल संतोष को राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन), शिवप्रकाश (लखनऊ) को राष्ट्रीय सह-संगठन महामंत्री, राजेश अग्रवाल (उत्तर प्रदेश) को कोषाध्यक्ष और नरेश बंसल (उत्तराखंड) को सह-कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

भाजपा की नई टीम में यूपी से सबसे ज्यादा 6 नाम

भाजपा की नई टीम में यूपी से सबसे ज्यादा 6 नाम हैं। सांसद सुरेन्द्र सिंह नागर, रेखा वर्मा, लक्ष्मीकांत बाजपेई और विधान परिषद सदस्य तारिक मंसूर हैं। तारिक अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर रहे हैं। इनके अलावा राधा मोहन अग्रवाल, अरुण सिंह को भी जिम्मेदारी दी गई है। तेलंगाना से संजय बंदी को टीम शामिल किया गया है। मध्यप्रदेश से तीन नेताओं को उनके पद पर बरकरार रखा गया है। कैलाश विजयवर्गीय राष्ट्रीय महामंत्री बने रहेंगे। इसी तरह सौदान सिंह राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और ओमप्रकाश धुर्वे भी राष्ट्रीय सचिव के पद पर बरकरार रहेंगे।इसके अलावा पिछली टीम से आंध्र प्रदेश के प्रभारी सुनील देवधर, सीटी रवि और दिलीप सैकिया को भी महामंत्री पद से हटाया गया है। सह कोषाध्यक्ष पद से मंदसौर सांसद सुधीर गुप्ता को हटाया गया है।

खास - खबर

नीलेश क्षीरसागर बनाए गए संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, सरकार ने जारी किया आदेश

रायपुर। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव से पहले आईएएस नीलेश क्षीरसागर को संयुक्त

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। छत्तीसगढ़ शासन सामान्य प्रशासन विभाग ने आदेश जारी किया है। जारी आदेश में लिखा गया है कि नीलेशकुमार महादेव क्षीरसागर, भा.प्र.से. (2011), संयुक्त सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग को अस्थायी रूप से आगामी आदेश तक संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़ के पद पर नियुक्त किया जाता है। साथ ही तत्काल प्रभाव से नवीन पदस्थापना पर उपस्थिति के लिए कार्यमुक्त किया जाता है। बता दें कि राज्य सरकार की तरफ से संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के लिए नामों का प्रस्ताव भेजा गया था, जिसमें भारत निर्वाचन आयोग ने नीलेश क्षीरसागर के नाम पर सहमति दी है।

रेलवे मैनेजर ने ट्रेन से कटकर दी जान, पटरी पर सिर और धड़ अलग-अलग मिला

बिलासपुर। बिलासपुर में रेलवे के मैनेजर ने ट्रेन से कटकर खुदकुशी कर लिया है। उसकी लाश लालखदान फाटक के पास रेलवे ट्रैक पर मिली है। सिर और धड़ अलग-अलग था। बताया जा रहा है कि, उसमें घर में कहा था कि, इन दिनों उसे नींद नहीं आती है। पूरा मामला तोरवा थाना क्षेत्र का है।

शुक्रवार को लोगों ने जब रेलवे ट्रैक पर उसका शव देखा तो तुरंत इस घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलने पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। इसके बाद आसपास के लोगों से पूछताछ करने पर शव की पहचान की गई। मृतक की पहचान धानमंडी के पास विवेकानंद नगर कॉलोनी निवासी राजेश उरांव (45) के रूप में हुई। राजेश मूल रूप से सक्ती जिले के बाराद्वार के रहने वाले थे। राजेश जीएम कार्यालय में चीफ मटेरियल मैनेजर के पद पर कार्यरत थे। पुलिस की पूछताछ में पता चला है कि रेलवे मैनेजर राजेश आए दिन शराब पीकर घर आते थे। शराब के नशे में उनका पत्नी से भी विवाद हुआ था। फिर बाद में उन्होंने कुछ दिन पहले शराब पीना छोड़ दिया। लेकिन नशा छोड़ने के बाद वह बेचैन रहने लगा था। घर में कई बार कहा था कि उन्हें रात में नींद नहीं आती है और परेशान रहता था। गुरुवार शाम को ड्यूटी से आने के बाद वह घर से निकल गए थे। देर रात होने पर परिजनों ने उन्हें फोन भी किया था। लेकिन उन्होंने ने फोन नहीं उठाया। जिसके बाद परिजनों ने उनके दोस्तों को भी फोन किया था। अगले दिन उनकी मौत की खबर सामने आ गई है। फिलहाल पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करके परिजनों को सौंप दिया है।

कोरबा में शुरू होंगे दो और पॉवर प्लांट, 660 किलोवॉट होगी क्षमता

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने किया शिलान्यास, 12 हजार करोड़ से ज्यादा की होगी लागत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की ऊर्जाधानी के नाम से प्रख्यात कोरबा जिले में दो और विद्युत संयंत्र बनेंगे। इसके लिए शनिवार को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आधारशिला रखी। 660 मेगावाट की उत्पादन क्षमता वाले दो विद्युत संयंत्र की कुल अनुमानित लागत 12 हजार 915 करोड़ रुपए है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इसके अलावा कोरबा जिले को 441 करोड़ की लागत वाले विकास कार्यों की सौगात भी दी। इसमें 325 करोड़ की लागत से स्वर्गीय बिसाहू दास महंत स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय भी शामिल है।

इससे पहले मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कोरबा पहुंचने के बाद यहां कलेक्टोरेट परिसर में छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा का अनावरण व ई-लाइब्रेरी का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी हसदेव ताप विद्युत गृह की नवीन सुपर क्रिटिकल ताप विद्युत परियोजना कोरबा पश्चिम का शिलान्यास किया।

इन कार्यों का हुआ शिलान्यास

इसी प्रकार शिलान्यास कार्यों के अंतर्गत छत्तीसगढ़ ग्रामीण सहकारी विकास अभिकरण परियोजना क्रियान्वयन इकाई कोरबा अंतर्गत 19 करोड़ 56 लाख से अधिक के कुल 22 सड़कों के सतह नवीनीकरण के 04 कार्य, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग अंतर्गत 32 करोड़ 57 लाख से अधिक के जल जीवन मिशन योजना अंतर्गत एकल ग्राम नल-जल प्रदाय योजना के 20 कार्य, स्वास्थ्य विभाग कोरबा अंतर्गत 03 करोड़ 91 लाख से अधिक के स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार 9 कार्य, नगर पंचायत पाली में 01 करोड़ 95 लाख की लागत से नवीन हाईटेक बस स्टैण्ड निर्माण कार्य शामिल हैं।

कोरबा में मुख्यमंत्री बघेल द्वारा किए जाने वाली लोकार्पण कार्यों के अंतर्गत ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग कोरबा द्वारा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (नाबार्ड) अंतर्गत 76 लाख 68 हजार की लागत से गोदाम सह कार्यालय भवन निर्माण के 03 कार्य, लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण उपसंभाग कोरबा द्वारा नाबार्ड योजना अंतर्गत 04 करोड़ 32 लाख से अधिक की लागत से उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग निर्माण के 03 कार्य, स्वास्थ्य विभाग कोरबा द्वारा 15 वें वित्त एवं ईसीआरपी-2 योजनांतर्गत 02 करोड़ 38 लाख से अधिक की लागत से 13 शहरी हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर (हमर क्लीनिक) की स्थापना शामलि है।

इसके अलावा वनमण्डल कोरबा द्वारा रामपुर में 03 करोड़ 01 लाख से अधिक की लागत से सड़क, कैम्प व वॉटर हारवेस्टिंग सिस्टम निर्माण के कुल 08 कार्य, शिक्षा विभाग द्वारा नवनिर्मित पुस्तकालय भवन के लिए 03 करोड़ 05 लाख से अधिक की लागत की आवश्यक सामग्री के कार्य, जनपद पंचायत कोरबा द्वारा जिला खनिज संस्थान न्यास से 48 लाख 78 हजार की लागत से सड़क एवं प्राथमिक शाला निर्माण के कुल 03 कार्य तथा जनपद पंचायत करतला द्वारा जिला खनिज संस्थान न्यास से 01 करोड़ 39 लाख से अधिक की लागत से सड़क, भवन एवं तालाब के जीर्णोद्धार के कुल 07 कार्य शामिल हैं।

वैशाली नगर में भाजपा प्रत्याशी चुनने के लिए ऑनलाइन वोटिंग

- कुछ गुट अपने नेता के नाम से करा रहे सर्वे
- पार्टी नेताओं ने कहा घटिया षड़यंत्र

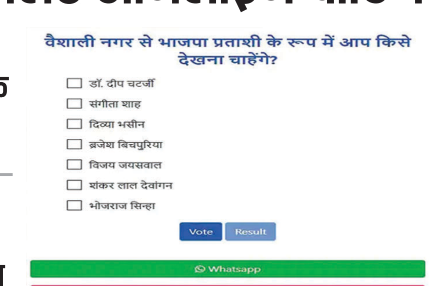

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव से पहले सोशल मीडिया पर वैशाली नगर विधानसभा में प्रत्याशी चयन के लिए ऑनलाइन वोटिंग हो रही है। कुछ नेताओं के नाम से सोशल मीडिया में जनमत मांगा जा रहा है। इस सीट पर दावेदारों की लंबी चौड़ी लिस्ट है। इस प्रकार का सर्वे की जानकारी मिलने के बाद पार्टी के शीर्ष नेताओं ने इसे बोगस कहा है और इस प्रकार का जनमत कराने वालों पर एफआईआर तक की मांग की गई है।

बता दें वैशाली नगर विधानसभा सीट विधायक विद्यारतन भसीन के स्वर्गवास के बाद से खाली है। आने वाले कुछ माह में छत्तीसगढ़ सहित पांच राज्यों में चुनाव होने हैं। विद्यारतन भसीन के निधन के बाद इस सीट पर दावेदारों की लंबी लिस्ट बन गई है। ऐसे में कुछ गुटों ने अपने नेता का नाम आगे करने के लिए सोशल मीडिया में वोटिंग वार शुरू कर दिया है। इसकी जानकारी लगने के बाद पार्टी में विरोध भी शुरू हो गया है। कुछ नेताओं का कहना है कि इसको लेकर एफआईआर दर्ज होनी चाहिए।

तीन अलग अलग लिंक से वोटिंग

वैशाली नगर विधानसभा से दावेदारी के लिए भाजपा नेताओं ने सोशल मीडिया वार शुरू कर दिया है। विधानसभा क्षेत्र में एक नहीं तीन अलग अलग आनलाइन वोटिंग के लिए लिंक वायरल किए जा रहे हैं। हालत यह हो गई है कि बड़े नेताओं के चमचे एक दूसरे को फोन करके लिंक भेज रहे हैं और अपने आका के नाम पर वोटिंग करने को कह रहे हैं। हालांकि भाजपा जिलाध्यक्ष बृजेश बिचपुरिया ने इसे फेक सर्वे बताते हुए इस बारे में कोई भी जानकारी होने से मना किया है। इसे लेकर पार्टी में तगड़ी खींचतान शुरू हो गई है। सोशल मीडिया में वायरल हो रहे इस वोटिंग सर्वे को लेकर कई नेताओं ने एफआईआर कराने तक की मांग कर दी है। जबकि कुछ लोगों का कहना है कि ये अपने नेता को प्रोजेक्ट करने का घटिया षड़यंत्र है।

यात्री बस पलटी, 19 सवार घायल

- बनारस से कोरबा के लिए निकली थी बस

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंबिकापुर। बनारस से कोरबा जा रही यात्री बस अंबिकापुर-बिलासपुर मुख्यमार्ग में शनिवार तड़के अनियंत्रित होकर बीच सड़क पर पलट गई। हादसे में बस में सवार 50 यात्रियों में करीब 19 यात्री घायल हो गए। हादसा एनएच 130 पर चल रहे पुल निर्माण के कारण बनाए गए बाइपास मार्ग पर हुआ। घायलों को उदयपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। जहां से दो को गंभीर हालत को देखते हुए अंबिकापुर मेडिकल कालेज अस्तपाल रेफर कर दिया गया। अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद अन्य वाहनों से गंतव्य के लिए रवाना कर दिया गया।

मिली जानकारी के अनुसार, बनारस से कोरबा के लिए चलने वाली सिद्धार्थ यात्री बस शनिवार सुबह करीब चार बजे उदयपुर थाना अंतर्गत ग्राम दावा के पास पहुंची। राष्ट्रीय राजमार्ग 130 में दावा के पास नदी में निर्माणाधीन पुल के कारण वाहनों के आवगमन के लिए बनाए गए बाइपास से गुजर रही बस अनियंत्रित हो गई और तेज रफ्तार में बीच सड़क पर पलट गई। हादसे के दौरान बस में सवार अधिकांश यात्री सो रहे थे।

बारिश के चलते राजधानी पानी-पानी कई इलाके जलमग्न, चला रेस्क्यू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में हुई झमाझम बारिश से शहर सहित आसपास के कई इलाके जलभराव से बेहाल है। हालत ये है कि इलाकों में 10 से 12 फीट पानी भर गया है। वहीं, एसडीआरएफ की टीम ने मुजगहन गांव में फंसे 127 लोगों को रेस्क्यू किया है। जानकारी के मुताबिक अभी भी कई लोग फंसे हैं। रेस्क्यू के लिए एसडीआरएफ की टीम बोट उतार दी है।

जानकारी के मुताबिक, भारी बारिश से सेजबहार के धुसेरा नाला उफान पर बह रहा है, जिससे पानी

गांव में घुस आया। गांव के कई इलाके जलमग?न हो गए हैं। जलभराव के कारण लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस लेकर एसडीआरएफ की टीम ने क्षेत्र में राहत और बचाव अभियान चलाया। राजधानी रायपुर से सटे मुजगहन इलाके में एसडीआरएफ की टीम ने 127 लोगों को रेस्क्यू किया है।

पीएम मोदी ने भारतीय शिक्षा समागम का किया उद्घाटन, पीएमश्री योजना की जारी की पहली किस्त

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के 3 साल पूरे होने के अवसर पर प्रगति मैदान के भारत मंडपम पहुंचे। यहां उन्होंने अखिल भारतीय शिक्षा सम्मेलन का उद्घाटन किया। दरअसल, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की तीसरी वर्षगांठ के मौके पर इस दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। पीएम मोदी ने शिक्षा और कौशल की 12 भारतीय भाषाओं में किताबों का विमोचन किया और पीएमश्री योजना के तहत धनराशि की पहली किस्त भी जारी की। इस दौरान पीएम मोदी ने संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा ही है जो देश का भाग्य बदलने की ताकत रखती है। देश जिस लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहा है उसमें शिक्षा की अहम भूमिका है। आप इसके प्रतिनिधि हैं। अखिल भारतीय शिक्षा समागम का हिस्सा बनना मेरे लिए भी एक महत्वपूर्ण अवसर है।

खुश रहना है तो अपने नीचे वालों को देखें

श्रीकंचनपथ

रायपुर में एक व्यक्ति की सड़क हादसे में मृत्यु हो गई वह तूता में आयोजित संविदा कर्मी नियमितीकरण आंदोलन में हिस्सा लेने के बाद घर लौट रहा था। वह अपने पीछे एक 4 माह की बच्ची को छोड़ गया है। उसकी पत्नी का प्रसव जन्य जटिलताओं के चलते चार माह पहले ही निधन हो गया। एक सवाल आंदोलनकारियों ने उठाया है। सवाल जायज है और उठना भी चाहिए। सवाल यह है कि इस बच्ची का भविष्य कैसा होगा? आंदोलन से जुड़े लोगों ने कहा कि इस बच्ची को अनुकम्पा नियुक्ति नहीं मिल सकती, इसे गुजारा पेंशन भी नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि यही संविदा कर्मियों का दर्द है। यह चिंता अकेले संविदा कर्मचारियों की नहीं है। यह चिंता निजी क्षेत्र में काम कर रहे उन लाखों लोगों की भी है जो निजी क्षेत्र में काम कर रहे हैं। ऐसे कर्मचारियों को ईएसआईसी, पीएफ जैसी सुविधाएं दिलाने को लेकर भी निजी क्षेत्र में तीव्र अनिच्छा है। ऐसा इसलिए नहीं है कि निजी क्षेत्र कर्मचारी विरोधी है, बल्कि ऐसा इसलिए है क्योंकि निजी क्षेत्र के नियोक्ताओं में से अधिकांश की स्थिति स्वरोजगार वाली है। अर्थात उनके अपने ही भविष्य का कोई ठौर ठिकाना नहीं है। यही स्थिति निजी क्षेत्र के बड़े और मझोले नियोक्ताओं की भी है। किसी के भी स्थायित्व की कोई गारंटी नहीं है। उनका कामकाज बाजार आधारित है। सरकारी कम्पनियां भी अपना कामकाज इसी निजी क्षेत्र को आउटसोर्स करती हैं। सरकारी कामकाज टेंडर प्रक्रिया से गुजरते हैं। इसमें लगातार अपनी स्थिति को बनाए रखना भी एक बड़ी चुनौती है। टेंडर बार-बार एक ही कंपनी को मिलेगा यह जरूरी नहीं। बल्कि, यदि किसी एक ही कंपनी को बार-बार टेंडर मिला तो उसपर ही सवाल उठने लग जाएंगे। ऐसे में जब टेंडर उठाने वाली कंपनी के पास ही काम की कोई गारंटी नहीं होगी तो उसके कर्मचारियों को रोजगार के स्थायित्व की गारंटी कैसे होगी? मजे की बात यह है कि देश के अधिकांश हुनरमंद कर्मचारी इसी क्षेत्र में काम करते हैं। अर्थात जिस देश में 'स्किल इंडिया' मिशन मोड पर है वहां स्किल्ड लोगों के परिवार की चिंता करने वाला कोई नहीं है। इस क्षेत्र में काम करने वालों को अपने भविष्य की चिंता खुद ही करनी पड़ती है। बैंक एवं बीमा क्षेत्र इनके लिए तमाम योजनाएं लेकर आता है जिसमें ये निवेश कर सकते हैं ताकि असमय मृत्यु होने पर ऐसे लोगों के परिवारों को सहारा मिल सके। संविदा कर्मी अगर खुद को निजी क्षेत्र में मान लें तो उनका दु:ख और दर्द कुछ हद तक कम हो सकता है। उनकी स्थिति निजी क्षेत्र के अधिकांश कर्मचारियों से बेहतर है। यदि वे नियमित सरकारी कर्मचारियों से अपनी तुलना करेंगे तो दु:खी ही रहेंगे। वे अपनी तुलना निजी क्षेत्र में काम कर रहे बीटेक-एमटेक इंजीनियरों, एमएससी पीएचडी सहायक प्राध्यापकों, निजी स्कूलों के पोस्ट ग्रैजुएट बीएड टीचरों से कर लें, तो उनका दु:ख कम हो सकता है।

संपादकीय

प्यार या नफरत

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में दो ऐसी हत्याएं हुई हैं, जिनसे इंसानियत भी शर्मसार हो गई है। विवाह या प्रेम प्रस्ताव ठुकराए जाने के बाद हुई ये घटनाएं गहरी चिंता और चिंतन की मांग करती हैं। दक्षिण दिल्ली के एक पॉश इलाके में दिनदहाड़े लोहे की रॉड मारकर की गई हत्या ने कथित प्रेम और घृणा की परिभाषाओं को एक साथ झकझोर कर रख दिया है। 25 वर्षीया युवती मालवीय नगर में अरबिंदो कॉलेज की छात्रा थी और उसके जीवन के समाप्त होते ही न जाने कितने सपनों का खून हो गया। दूसरे मामले, दिल्ली के डाबरी एक्सटेंशन में एकतरफा प्यार या नफरत में एक और हत्या हुई है। एक युवक ने महिला को गोली मार दी और फिर खुद को भी मार डाला। यह आपराधिक पागलपन नहीं, तो और क्या है? किसी के जीवन में प्रेम और विवाह के अलावा भी बहुत कुछ होता है। यह भी बार-बार दोहराया जाता है कि पढ़ाई का समय सपने देखने और उसे साकार करने के संघर्ष का समय होता है। यह इसलिए भी बहुत दुख की बात है कि हमारे देश में अभी भी बहुत कम महिलाएं उच्च शिक्षा हासिल करने के लिए घर से निकल पाती हैं। ऐसी घटनाओं से न जाने कितने अभिभावक या लड़कियां हतोत्साहित होती हैं। न जाने कितने सपनों पर काली छाया पड़ जाती है और न जाने कितनी लड़कियों के पैरों में घरेलू बेड़ियां डल जाती हैं? जो जाहिल अपराधी समझदारी, भलमनसाहत, इंसानियत का 'क ख ग' भी नहीं जानते और दूसरे की जिंदगी के साथ ही अपनी जिंदगी भी खराब कर लेते हैं, उन पर कानून का शिकंजा इतनी कड़ाई से कसना चाहिए कि दुनिया देखे। दिल्ली पुलिस की प्रशंसा करनी चाहिए कि उसने अपराधी युवक को पकड़ने में देरी नहीं की, लेकिन पुलिस को अपने स्तर पर पहले की तुलना में ज्यादा सावधान रहना होगा। आज के समय में किसी एकतरफा प्यार का आपराधिक रूप से मुखर होना कानून-व्यवस्था के लिए बहुत गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। महिला सुरक्षा संबंधी कानूनों की कदापि कमी नहीं है, पर ऐसे कानून का लाभ किसी भी महिला को तभी मिलेगा, जब वह पूरी तरह से सजग रहेगी। जिन इंसानी बस्तियों में समाज कमजोर पड़ चुका है, वहां तो लड़कियों को विशेष रूप से सतर्क रहने की जरूरत है। कोई संदेह नहीं कि सभी लड़कियां व महिलाएं सतर्क रहकर सुरक्षा कवच बना सकती हैं। समझना होगा कि प्यार और नफरत में क्या अंतर है। जो जाहिल इंसान स्त्री को स्वतंत्र व्यक्तित्व न मानकर केवल उपभोग का साधन मानता है, वही उसे नष्ट करने की सोच सकता है। भले-बुरे, सही-गलत का भेद किए बिना हम रिश्तों और दूसरों की भावनाओं की कद्र कैसे कर पाएंगे? वैसे निराश होने के बजाय यह सतर्क होने का समय है। समाज में अभी भी एक बहुत बड़ा तबका है, जो दूसरे की खुशी को महत्व देता है। बहुत से भले लोग आज भी यह मानकर जीवन भर अपने दिल में प्यार संजोए रहते हैं कि मेरे नसीब में ऐ दोस्त तेरा प्यार नहीं, पर तू किसी और की हो न जाना, कुछ भी कर जाऊंगा मैं दीवाना वाली जो नई जमात पनप आई है, उससे कड़ाई से निपटने के अलावा और कोई उपाय नहीं है। महिला संगठनों और महिला आयोगों को केवल संज्ञान लेने से आगे बढ़ना होगा। जहां एक ओर, महिलाओं की सुरक्षा संबंधी कानून व्यवस्था को चाक-चौबंद करना जरूरी है, वहीं बिखरते समाज में नई शालीनता, सभ्यता और संवेदना की बहाली भी अनिवार्य है।

> "आज के समय में किसी एकतरफा प्यार का आपराधिक रूप से मुखर होना कानून-व्यवस्था के लिए बहुत गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। महिला सुरक्षा संबंधी कानूनों की कदापि कमी नहीं है, पर ऐसे कानून का लाभ किसी भी महिला को तभी मिलेगा, जब वह पूरी तरह से सजग रहेगी।

अविश्वास ही संकट है!

संसदीय लोकतंत्र के लिए यह बेहद अफसोस की बात है कि विपक्ष को प्रधानमंत्री से एक खास मुद्दे पर बयान दिलवाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव पेश करना पड़ा है। चूंकि संसदीय लोकतंत्र में सरकार का नेतृत्व प्रधानमंत्री करते हैं, इसलिए अविश्वास प्रस्ताव पर हुई बहस का जवाब देना उनका कर्त्तव्य होता है। इसलिए संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से मणिपुर की स्थिति पर प्रधानमंत्री से बयान की मांग कर रहे विपक्ष को आखिरकार नरेंद्र मोदी का पक्ष सुनने के लिए अविश्वास प्रस्ताव का सहारा लेना पड़ा है। भारत का लोकतंत्र जिस मुकाम पर पहुंच गया है, उस पर यह एक अत्यंत नकारात्मक टिप्पणी है। पहली बात तो यह कि मणिपुर जैसी गंभीर होती जा रही समस्या पर अपेक्षित था कि प्रधानमंत्री बहुत पहले वहां के लोगों से संवाद शुरू कर चुके होते। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। संसद का मौजूदा सत्र शुरू होने के दिन मणिपुर के वायरल हुए एक कलंकपूर्ण वीडियो पर उन्होंने दुख जरूर जताया, लेकिन साथ ही उन्होंने उसकी अन्य राज्यों के हाल से तुलना कर मामले को सियासी रंग भी दे दिया। उस रोज से दोनों सदनों में विपक्ष प्रधानमंत्री से वक्तव्य की मांग कर रहा है। लेकिन प्रधानमंत्री ने उसकी अनसुनी कर रखी है। कहा जाता है कि संवाद से भरोसा बढ़ता है, जबकि संवादहीनता अविश्वास पैदा करती है। वर्तमान सरकार ने सत्ता में आने के बाद विपक्ष से संवादहीनता को एक नीति के रूप में अपना रखा है। विपक्षी नेताओं से नियमित संवाद, राष्ट्रीय एकता परिषद या राष्ट्रीय विकास परिषद जैसे मंचों को एक तरह से समाप्त कर दिया गया है, जबकि व्यापक राष्ट्रीय संवाद का वे एक उचित मंच थे। कठिन या अपने माफिक ना दिखने वाले मुद्दों पर चुप्पी नरेंद्र मोदी की राजनीतिक शैली का हिस्सा बनी रही है। इससे दोनों पक्ष एकतरफा संवाद करते सुने जाते हैं। इससे अविश्वास की खाई बढ़ी है और एक दूसरे के प्रति अपेक्षित सम्मान की भावना का निरंतर ह्रास हुआ है। नतीजतन लोकतांत्रिक परंपराएं आज जख्मी हाल में दिखती हैं। इन परिस्थितियों में अविश्वास प्रस्ताव का दायरा संसद तक सीमित नहीं दिखता। यह पूरे राजनीतिक माहौल को अपनी जद में ले चुका है।

प्रगति थम गई है

गुजरे दशकों में जिन कई क्षेत्रों में प्रगति होती नजर आई थी, वहां इसमें ठहराव आ गया है। इस बात की ही मिसाल स्कूलों में लड़कियों के लिए सेनेटरी पैड्स के वितरण के मुद्दे को गंभीरता से ना लिया जाना है।

देश में आम माहौल ऐसा है, जिसमें सामाजिक प्रगति और जन कल्याण के मुद्दे चर्चा से बाहर बने हुए हैं। इस कारण गुजरे दशकों में जिन कई क्षेत्रों में प्रगति होती नजर आई थी, वहां इसमें ठहराव आ गया है। इस बात की ही मिसाल स्कूलों में लड़कियों के लिए सेनेटरी पैड्स के वितरण के मुद्दे का चर्चा से बाहर हो जाना है। अब सुप्रीम कोर्ट ने उन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को नोटिस जारी किया है, जिन्होंने स्कूलों में पढ़ने वाली लड़कियों के लिए माहवारी स्वच्छता पर एक समान राष्ट्रीय नीति के गठन पर जवाब दाखिल नहीं किया है। सुप्रीम की चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यों की बेंच ने उन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को चेतावनी दी है, जो स्कूली लड़कियों के लिए मासिक धर्म से जुड़े स्वच्छता के मुद्दे पर एक समान नीति बनाने के मामले में केंद्र से सहयोग नहीं कर रहे हैं। इन राज्यों ने इस बारे में केंद्र सरकार को अपना जवाब नहीं सौंपा है। अब कोर्ट ने ऐसे राज्यों को 31 अगस्त तक जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है। सुनवाई के दौरान केंद्र ने कोर्ट को बताया कि अब तक केवल चार राज्यों ने अपना जवाब दिया है। ये राज्य हरियाणा, दिल्ली, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश हैं।

मामला उस याचिका से जुड़ा है, जिसमें केंद्र, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को छठी कक्षा से लेकर 12वीं तक हर छात्रा को मुफ्त सैनिटरी पैड और सभी आवासीय और गैर आवासीय शिक्षण संस्थानों में लड़कियों के लिए अलग शौचालयों की व्यवस्था करने का निर्देश देने का आग्रह किया गया है।

> "दुनिया की खबरों पर सरासर नज़र दौड़ाने पर चरम मौसम दशाएं और उसके परिणाम की चिंताजनक सूचनाएं पाते हैं। यूरोप और उत्तरी अमेरिका के कुछ हिस्से अनवरत भीषण ग्रीष्म लहर से त्रस्त हैं, तिस पर जंगलों में लगी आग ने स्थिति और बिगाड़ रखी है- न्यूयॉर्क का संतरी आसमान देखकर दिल्ली से गए आगंतुक की आंखे भर आएंगी। उधर दक्षिण एशिया भारी बारिश झेल रहा है।

पर्यावरण की परवाह न करने का नतीजा है संकट

गुरबचन जगत

भारी बारिश और उफनती नदियों की खबरों के बीच पंजाब के माझा और दोआबा अंचल में धुस्सी बांधों (मिट्टी से बने तटबंध) में दरारें पड़ने की घटनाएं घटी। मेरी यादें 1971-73 में ले गईं, जब मैं कपूरथला में बतौर पुलिस अधीक्षक तैनात था। प्रताप सिंह कैरों के मुख्यमंत्रित्व काल में धुस्सी बांध बनने से पहले यह इलाका भारी बाढ़ें झेलता आया था। इनका निर्माण कार्य उनकी कोशिशें व बलवंत सिंह (जो बाद में पंजाब के वित्त मंत्री बने) की कड़ी मेहनत का नतीजा था, जिससे तटबंध बनाने का काम सफलतापूर्वक पूरा हो पाया। उस समय मानसून आने से पहले, उपायुक्त इनकी मरम्मत और देखरेख से संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक लिया करते थे। इसके बाद, उपायुक्त के नेतृत्व में हम सब स्वयं मौका मुआयना करके कमजोर बिंदुओं की शिनाख्त करते, गांव वालों से मिलते और उनकी समस्याओं पर चर्चा किया करते। इस पर अमल होता। तत्पश्चात, वित्तायुक्त (कराधान) का दौरा होता, जिसमें हमें साथ लेकर वे पूरे तटबंध का मुआयना करते और आपदा प्रबंधों की समीक्षा होती। यहां तक कि वे उपकरणों और किश्तियों की हालत का जायजा लेते। लिहाजा बरसातें आती तो हम सब चुनौतियों के लिए पहले से तैयार होते।

बाढ़ की स्थिति और संबंधित विषयों की निगरानी के लिए जिला और राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष बनाए जाते। यही वजह है कि बर्बादी की खबरें मुझे विचलित कर रही हैं, क्योंकि साफ है प्रशासनिक ढांचा सोते पकड़ा गया, तभी तो तटबंध जगह-जगह टूट गए। मौजूदा व्यवस्था में किसी की जिम्मेवारी या जवाबदेही तय नहीं है। बेशक प्रशासनिक तंत्र में उच्च स्तर पर भारी संख्या में नौकरशाह, फंड, मंत्री इत्यादि हैं- लेकिन क्या किसी ने मानसून पूर्व अभ्यास-कार्य किया? क्या वित्तायुक्त ने मौका-मुआयना दौरे किए? आज तो पंजाब में कई वित्तायुक्त हैं, जबकि 1971 में एक ही हुआ करता था। उपरोक्त वर्णन पिछले समय में प्रशासनिक तंत्र के कामकाज का एक उदाहरण है। हालांकि उस वक्त उनके सामने प्राकृतिक आपदा जनित चुनौतियां थीं जबकि वर्तमान में पर्यावरणीय बदलावों से आसन्न आफ्तें भी हैं। किंतु प्रशासनिक तंत्र की कोताही सब ओर एक-समान है और उसके परिणाम सभी सूबों में देखने को मिल रहे हैं। यह एक सालाना असफलता बन गई है और कारण है सार्वजनिक सुविधाओं के सभी क्षेत्रों को सुचारु रखने को बनाई सुस्पष्ट संहिता पर अमल की अनदेखी।

दुनिया की खबरों पर सरासर नज़र दौड़ाने पर चरम मौसम दशाएं और उसके परिणाम की चिंताजनक सूचनाएं पाते हैं। यूरोप और उत्तरी अमेरिका के कुछ हिस्से अनवरत भीषण ग्रीष्म लहर से त्रस्त हैं, तिस पर जंगलों में लगी आग ने स्थिति और बिगाड़ रखी है- न्यूयॉर्क का संतरी आसमान देखकर दिल्ली से गए आगंतुक की आंखे भर आएंगी। उधर दक्षिण एशिया भारी बारिश झेल रहा है। जून के महीने में बारिश बहुत कम हुई और जुलाई में जल-थल एक करने वाली बरसात ने किसानों को और मुसीबतजदा कर डाला है, फसलें तबाह हो गई हैं और खाद्य पदार्थों की कीमतें आसमान छू रही हैं- टमाटर, ब्रोकॉली, शिमला मिर्च और अदरक के बीच मानों दामों की दौड़ लगी हो। इसे यूं समझना हो तो, मैकडॉनल्ड ने टमाटर डालना बंद कर दिया है- बिना टमाटर बिग मैक बर्गर का क्या स्वाद? हैरानी यह कि ठीक वैसा हो रहा है,जैसा कि समय-समय पर अनेकानेक पत्रिकाओं में ज्ञानियों ने चेताया था, लेकिन हम 'होमोसेपियन्स' अपनी रोजमर्रा जिंदगी में मस्त हो चलते रहे (इसे कोई 'जलने को आतुर' भी कह सकता है)। मशहूर विज्ञानी जेम्स लवलॉक ने वर्ष 2005 में पेरिस में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय गोष्ठी में 'न्यूक्लियर एनर्जी फॉर ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी' शीर्षक वाले संबोधन में कहा था 'हमें अकेले केवल मनुष्यों की जरूरतों और हकों के बारे में सोचना बंद करना होगा। साहसी बनें और देखें कि असल खतरा जीवन पाल रही पृथ्वी मां से आएगा, जिसे हमने चोट पहुंचाई है और अब वह हमें सबक सिखाने को उद्यत है।

लाखों जीव प्रजातियों के वजूद पर जो खतरा 75-100 साल बाद बनता, वह आज बहुत नजदीक दिखाई दे रहा है। राष्ट्र और उनके नागरिक अचानक और बिना पूर्व तैयारी के घिर गए हैं क्योंकि किसी को विश्वास नहीं था कि यह हमारे जीवनकाल में होगा। हम अपने कृत्यों से भावी पीढ़ियों के लिए संकट-दर-संकट इकट्ठा करते चले गए। न तो पर्यावरणीय खतरे को लेकर हुए अध्ययनों की कमी है और न ही संयुक्त राष्ट्र या किन्हीं अन्य मंचों पर आयोजित बैठकों की। व्यक्तिगत तौर पर भी, मसलन, पूर्व अमेरिकी उप-राष्ट्रपति अल गोर ने दुनियाभर में घूम-घूमकर इस विषय पर भाषण दिए हैं। जिसमें उन्होंने मौसम में बदलावों से उत्पन्न आसन्न मुसीबतों के बारे में बताया, लेकिन किसी के कान पर जूं तक नहीं रेंगी। यहां मुझे वाल्टर डी ला मेयर की कविता 'द लिस्नर इन ए डिफरेंट कॉन्टेक्स्ट' की पंक्तियां याद आ रही है : 'उसने कहा, अंदर कोई है- पथिक को जवाब कहां मिलताज सुना जो केवल भूतों नेज जिनका अब वहां बसेरा था। जो चांद की खामोश रोशनी की तरहज चुपचाप सुन रहे आवाज दुनियावी बंदे की।

यह शायद आने वाले वक्त की गूंज है- विज्ञान को हमने अपने मुसीबतों की एवज पर अनदेखा जो किया है। इसके बावजूद हम पाते हैं पश्चिमी देश रूस से युद्ध में उलझे हैं। एक बार फिर से, क्षुद्र राजनीतिक होड़ में, एक-दूसरे को नेस्तनाबूद करने को आतुर सेनाओं के लिए गोला-बारूद, कुमुक पहुंचाने और भंग हुई आपूर्ति श्रृंखला के साथ जीवाश्म ईंधन का उपयोग जमकर हो रहा है और इस सब में अच्छाई और विज्ञान पीछे कहीं छूट गया। उत्तरोतर बढ़ता राष्ट्रवाद खुलकर हावी होने लगा है और दुनियाभर में यही चलन है। अल्प-कालिक राजनीतिक, सैन्य और आर्थिक सोच का पर्यावरणीय बदलावों पर बहुत असर पड़ रहा है। जिसका निदान वैश्विक नेतृत्व के लिए मरीचिका है और इस बीच पृथ्वी गर्माती जा रही है। हालांकि मैं नहीं कहता कि सब कुछ खो चुका है, पर्यावरण पर चिंता को लेकर राजनीतिक और वैज्ञानिक आंदोलन मुखर हो रहे हैं। कुछ देशों ने सतत स्वच्छ ऊर्जा, बिजली चालित परिवहन, वन क्षेत्र बढ़ाने और कार्बन फुटप्रिंट घटाने के लिए बेहतर फैसले लिए हैं। जीवाश्म ईंधन छोड़कर हरित विकल्प बनाने का विचार अब जोर पकड़ने लगा है- हालांकि इसकी रफ्तार हमारे हाथ न होकर वैश्विक रूप से ज्यादा तय होगी।

मेरा डर और आशंका घरेलू स्थिति पर अधिक केंद्रित है। इकोनॉमिक टाइम्स की खबर के अनुसार, वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में भारत की हिस्सेदारी मात्र 3.7 प्रतिशत है, जो कि हमारे आकार और जनसंख्या के लिहाज से कोई अतिशयी नहीं, फिर भी हमें मौसम में बदलावों का दंश भुगतना पड़ सकता है। अल नीनो जैसे मौसम-कारक के साथ मानसून की चाल-मात्रा में आए बदलावों से हमारी कृषि और खाद्यान्न सुरक्षा प्रभावित हुई है। 140 करोड़ लोगों वाले देश के लिए, जहां अधिकांश जनसंख्या निम्न आय वर्ग में है और कृषि मुख्यत: बारिश पर निर्भर है, उसके लिए परिणाम अत्यंत भयावह हो सकते हैं। फिर भी हमारी संसद और विधानसभाओं में राजनेता अपनी ऊर्जा मिथकीय सांस्कृतिक विषयों में उलझने में लगा रहे या अर्थपूर्ण मुद्दे नहीं उठाते, उनकी रुचि विवादित राजनीतिक मुद्दों पर बहस करने में ज्यादा है। मौसमी बाढ़ों ने उत्तर भारत के बड़े हिस्से को डुबा रखा है, अव्वल तो बारिश हुई देर से, जब आई तो पूरी तरह बिफरकर, जिससे बड़े पैमाने पर विनाश हुआ। जिंदगियां लील ली, संरचनात्मक व संपत्ति का नुकसान हुआ और इस सब के बीच सरकारी सहायता नगण्य। सवाल है : 'बतौर राष्ट्र व सूबा सरकारें व्यक्तिगत व सामूहिक रूप से हम अपने जीवनकाल में आई इस बहुत बड़ी विपत्ति से लड़ने के लिए एकजुट होंगे या नहीं ताकि हम बच्चों, भावी पीढ़ियों के लिए एक बेहतर पृथ्वी छोड़कर जाएं या फिर कम-से-कम उतनी सुंदर, जैसी हमें मिली थी?'

लेखक मणिपुर के राज्यपाल रहे हैं।

बाघों को बचाने में भारत ने साबित की अपनी बादशाहत

साकेत बडोला, निदेशक, राजाजी राष्ट्रीय उद्यान

कुछ सदी पहले तक दुनिया के बड़े हिस्से में बाघ पाए जाते थे। मगर बढ़ती मानव आबादी और प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ते कब्जे के कारण बाघों के वासस्थल में लगातार गिरावट आती गई, जिसके कारण विश्व में बाघों के पुरातन बसेरे में 95 फीसदी से ज्यादा की कमी आ चुकी है। कभी विश्व के एक बड़े हिस्से में राज करने वाला 'जंगल का बादशाह' आज मात्र 13 देशों में सिमटकर रह गया है। इनमें से भी कुछ देशों में इनकी संख्या में गिरावट देखी गई है। तीन देशों में तो बीते कुछ वर्षों से बाघ का कोई निशान भी नहीं दिखा है। स्पष्ट है, अगर प्रकृति की इस बेहद खूबसूरत रचना को विलुप्त होने से बचाना है, तो इन 13 'बाघ-देशों' द्वारा की जाने वाली कोशिशें काफी नहीं होंगी, बल्कि समन्वित वैश्विक प्रयास की आवश्यकता होगी। बाघों को न सिर्फ उनके वासस्थल में सुरक्षित रखना होगा, बल्कि उनके अंगों के अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर भी अंकुश लगाना होगा, जो बाघों के अवैध शिकार का एक बड़ा कारण है।

आज भी कई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के बावजूद दुनिया के कई देशों में बाघ की हड्डियों और उसके अंगों से बने उत्पादों का दवाओं के रूप में प्रयोग होता है। बाघों की खाल और उससे बने फैशन उत्पादों की मांग बेशक कुछ कम हुई है, लेकिन अब भी कई स्थानों पर इसके लिए बाघों का शिकार किया जाता है। अच्छी बात है कि इन सब समस्याओं के बीच बाघों के संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों में भारत अग्रणी है। हमारा देश आज विश्व में जंगली बाघों का सबसे सुरक्षित और महत्वपूर्ण शरणस्थल माना जाता है। हम विश्व के 70 प्रतिशत से अधिक जंगली बाघों का घर हैं। ऐसे में, यह कहना अतिशयोक्ति नहीं कि मौजूदा हालात में विश्व में जंगली बाघों का भविष्य बहुत हद तक भारत द्वारा किए जा रहे प्रयासों व उनकी सफलता पर निर्भर है।

विश्व में सर्वाधिक मानव जनसंख्या वाला देश कैसे अपने राष्ट्रीय पशु को संरक्षित व सुरक्षित रख रहा है, यह एक विस्मय करने वाला तथ्य है। एक समय यहां बाघ लुप्त होने की स्थिति में पहुंच गए थे, तब हमारी सरकार ने व्यवस्थित कार्रवाई शुरू की। वर्ष 1973 में नौ क्षेत्रों को चिह्नित करके बाघ परियोजना शुरू की गई। इसमें यह ध्यान रखा गया कि बाघों को उनके यथासंभव प्राकृतिक वासस्थल मिलते रहें। यह परियोजना केवल एक प्रजाति के संरक्षण का प्रयास नहीं था, बल्कि इसके माध्यम से संपूर्ण पारस्थितिक तंत्र को सुरक्षित किए जाने की मंशा थी। धीरे-धीरे यह परियोजना व्यापक होती गई, और आज जब यह 50 साल पूरे कर चुकी है, तो इसमें संरक्षित क्षेत्रों की संख्या बढ़कर 53 हो चुकी है। आज अपने यहां बाघ संरक्षण के लिए नवीनतम तकनीकी व उपकरणों (सेस्मिक सेंसर, ड्रोन, इंफ्रारेड कैमरा आदि) का इस्तेमाल हो रहा है। बाघों की गणना में अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की मदद ली जा रही है। गिनीज बुक तक में भारत में वैज्ञानिक विधि से होने वाली बाघों की गणना को शामिल किया गया है।

आज देश में वन्यजीव पशु-चिकित्सकों का एक ऐसा काडर तैयार किया गया है, जो न सिर्फ बाघों को उनके वासस्थल में स्वस्थ रखने का काम कर रहा है, बल्कि मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने व वन्यजीवों के पुनर्वास में भी सक्रिय है। बाघों के जीवन को सबसे अधिक खतरा उनके अवैध शिकार से है, जो मुख्यत: उसके अंगों की अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारी मांग के कारण है। अत: भारत बाघ के अंगों से बने उत्पादों की मांग कम करने के लिए कई देशों के साथ समन्वय बनाकर प्रयास कर रहा है। इसी तरह, ईको-टूरिज्म को इस तरह का रूप दिया जा रहा है कि इससे उत्पन्न होने वाले रोजगार और आय का एक हिस्सा उन ग्रामीणों को मिले, जो बाघ के वासस्थल के समीप रहते हैं, ताकि मानव-वन्यजीव संघर्ष रोकने में मदद मिले। स्थानीय लोगों की जंगल पर निर्भरता भी कम की जा रही है। जाहिर है, बाघ संरक्षण कोई एकरूपी कार्य नहीं है। इसके लिए दीर्घकालिक व्यवस्था व सभी को साथ लेकर चलने की पद्धति काम करती है। भारत ने इसमें अभूतपूर्व सफलता हासिल करके विश्व के सामने एक सफल मॉडल पेश किया है। आजादी के अमृतकाल में यह विश्व स्तर पर भारत का प्रकृति संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण योगदान है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

विपक्ष के दिग्गजों की परीक्षा

अजीत द्विवेदी

भाजपा के गठबंधन एनडीए और विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की एक ही दिन हुई बैठक की तस्वीरों की तुलना में एक दिलचस्प राजनीतिक नैरेटिव दिखता है। दिल्ली में हुई एनडीए की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़े होकर फोटो खिंचवाने वाले नेताओं में से 90 फीसदी नेता ऐसे थे, जिनको अपने क्षेत्र या अधिक से अधिक अपने राज्य से बाहर कोई नहीं जानता है। एनडीए की बैठक में ज्यादातर छोटी पार्टियां थीं। और ज्यादातर नेताओं की कोई राष्ट्रीय या राज्यस्तरीय पहचान भी नहीं है। तभी दिल्ली के अशोक होटल की तस्वीर ऐसी थी, जिसमें नरेंद्र मोदी की हैसियत सूर्य वाली थी और बाकी सारे छोटे-मोटे ग्रह थे, जो उनकी परिक्रमा कर रहे थे। हालांकि इसका भी अगले साल के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के लिए बहुत फायदा है।

इसके उलट विपक्ष की बैठक में अधिकतर चेहरे ऐसे थे, जिनकी राष्ट्रीय पहचान है या अपने राज्य के सबसे बड़े नेताओं में आते हैं। वहां न कोई सूर्य था और न परिक्रमा करने वाले ग्रह थे। सबकी स्वतंत्र हैसियत थी और सब बराबरी में बैठे थे। उनकी अपनी ताकत है, जिसके दम पर वे राजनीति करते हैं लेकिन भाजपा के गठबंधन में शामिल ज्यादातर पार्टियों और नेताओं के पास अपनी ताकत नहीं है। वे नरेंद्र मोदी के लिए पूरक की तरह काम करेंगे। तभी सवाल है कि ये पूरक पार्टियां अगले चुनाव में भाजपा की कितनी मदद कर पाएंगी? दूसरी ओर यह सवाल है कि विपक्ष के तमाम दिग्गज मिल कर क्या नरेंद्र मोदी को रोक पाएंगे?

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की बैठक में शामिल नेताओं के चेहरे पर एक नजर डालें तो दिखेगा कि लगभग सभी नेता लंबे राजनीतिक अनुभव वाले हैं। उन्होंने अपनी पार्टी को मजबूत किया और कई महत्वपूर्ण राजनीतिक लड़ाइयां जीती हैं। बैठक की अध्यक्षता मल्लिकार्जुन खड़गे कर रहे थे, जिनका राजनीतिक अनुभव पांच दशक से ज्यादा का है। वे कर्नाटक की राजनीति के सबसे बड़े चेहरों में हैं। एनसीपी नेता शरद पवार निर्विवाद रूप से महाराष्ट्र की राजनीति के सबसे बड़े नेता हैं। इसी तरह एमके स्टालिन तमिलनाडु की राजनीति की सबसे बड़े और लोकप्रिय नेता हैं। लालू प्रसाद और नीतीश कुमार दोनों बैठक में मौजूद थे, जिनके ईर्द-गिर्द बिहार की राजनीति पिछले करीब साढ़े तीन दशक से घूम रही है। ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल की सबसे बड़ी और सबसे लोकप्रिय नेता हैं तो हेमंत सोरेन भी झारखंड के सबसे बड़े नेताओं में शुमार होते हैं। अखिलेश यादव भी देश के सबसे बड़े राज्य के पांच साल तक मुख्यमंत्री रहे हैं और राज्य की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी के नेता हैं। कम्युनिस्ट पार्टियों की राजनीतिक हैसियत बहुत बड़ी नहीं रह गई है फिर भी सीताराम येचुरी और डी राजा दोनों की राष्ट्रीय पहचान है।

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी पटना की बैठक में शामिल नहीं हुई थीं लेकिन वे बेंगलुरू की बैठक में शामिल हुईं। वे बैठक की अध्यक्षता नहीं कर रही थीं लेकिन उनके होने का असर पूरी बैठक पर दिख रहा था। उनके नाम से यह रिकॉर्ड है कि उन्होंने राष्ट्रीय चुनाव में अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी दोनों को हराया है। उनकी कमान में 2004 में कांग्रेस ने भाजपा को तब हराया था, जब अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री थे और देश मान रहा था कि उनका कोई विकल्प नहीं है। इसके बाद 2009 में जब लालकृष्ण आडवाणी प्रधानमंत्री पद के दावेदार के तौर पर लड़े तब सोनिया गांधी की कमान में कांग्रेस ने उनको भी हराया। सो, सोनिया गांधी का अनुभव और यह उपलब्धि उनको विपक्षी गठबंधन का केंद्र बनवाने वाली है। तभी कांग्रेस के नेता चाहते हैं कि सोनिया गांधी को 'इंडिया' का संयोजक बनाया जाए। विपक्ष की दूसरी बैठक में आठ नई पार्टियों को न्योता दिया गया था, जो अपेक्षाकृत छोटी पार्टियां हैं। लेकिन इनका राज्य की बड़ी प्रादेशिक पार्टियों के साथ पहले से गठबंधन है।

सो, भले एनडीए की बैठक के बाद यह मैसेज बना हो कि 38 पार्टियों का गठबंधन 'इंडिया' से लड़ेगा लेकिन हकीकत यह है कि लड़ाई नरेंद्र मोदी से ही है। एक तरफ नरेंद्र मोदी होंगे, जिनकी ताकत, लोकप्रियता, संसाधन और करिश्मे के दम पर एनडीए की सारी पार्टियां लड़ेंगी तो दूसरी ओर एक नया बना गठबंधन 'इंडिया' होगा, जिसकी एक विशाल छाते के नीचे सभी पार्टियां अपनी अपनी लडाई लड़ेंगी। विपक्षी गठबंधन में कोई एक नेता ऐसा नहीं होगा, जिसके नाम से समूचे गठबंधन को फायदा होगा। सब एक बड़ी लड़ाई लड़ रहे होंगे लेकिन सबकी अपनी अपनी लड़ाई भी होगी। तभी सवाल है कि अपनी अपनी लड़ाइयों में क्या ये नेता कामयाब होंगे और सब अपने अपने इलाके में मोदी को रोक पाएंगे? यह तब हो सकता है, जब 'इंडिया' के नेता राष्ट्रीय चुनाव को क्षेत्रीय बना दें।

इस लिहाज से यह विपक्ष के तमाम दिग्गज नेताओं की परीक्षा वाला चुनाव है। ज्यादातर दिग्गज नेताओं का यह आखिरी चुनाव भी होगा। यह तय मानना चाहिए कि सोनिया गांधी, शरद पवार, मल्लिकार्जुन खड़गे, नीतीश कुमार, लालू प्रसाद आदि नेता 2029 के लोकसभा चुनाव में कोई प्लेयर नहीं होंगे। एमके स्टालिन 75 साल से ज्यादा उम्र के होंगे और ममता बनर्जी भी 75 साल की होने वाली होंगी। उम्र के साथ साथ इनकी राजनीति भी ढलान पर होगी।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट,
दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of
Musical Instrument
Sales & Repair

DURG:-
Near Tarun Adlabs
Station Road, Durg (C.G.)
Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:-
Near Manju Mamta
Reaustaurant, M.G. Road
Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

बाढ़ आपदा से बचाव के लिए मॉकड्रिल आयोजित

बालोद। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के मार्गदर्शन में आज तांदुला जलाशय आदमाबाद में बाढ़ आपदा से बचाव हेतु एन.डी.आर.एफकी तीसरी वाहिनी बटालियन मुण्डली कटक(ओडिशा) के द्वारा मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। तांदुला जलाशय में एन.डी.आर.एफ कटक की टी और नगर सेना की टीम द्वारा बाढ़ में फंसे व्यक्ति को कैसे बचाया जाए, इस संबंध में डेमो का प्रदर्शन किया गया। रेस्क्यू टीम के गोताखोरों द्वारा पानी की गहराई में जाकर डमी व्यक्ति को बाहर निकालकर दिखाया गया। एन.डी.आर.एफ के मेडिकल सहायक टीम द्वारा सी.पी.आर. का लाइव प्रदर्शन भी किया गया। मॉकड्रिल में चार मोटरबोट का प्रयोग किया गया। इस अवसर पर इस अवसर पर पुलिस अधीक्षकजितेन्द्र कुमार यादव, डिप्टी कलेक्टर ठाकुर, जिला सेनानी एवं अग्निशमन अधिकारी दिनेश रावटे, तहसीलदार परमेश्वर मण्डावी सहित अन्य अधिकारी, रेडक्रॉस बालोद के सदस्य व स्कूली विद्यार्थी आदि मौजूद थे।

मछुआ सहकारी समिति के सदस्य कृषि के साथ मत्स्य पालन से कर रहे कमाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित योजनाओं से लाभ उठाकर मछली पालन का कार्य करने वाले मछुआ सहकारी समिति के सदस्य आर्थिक संपन्नता की ओर बढ़ रहे हैं और स्वयं आत्मनिर्भर हो रहे हैं तथा अन्य लोगों को भी इस कार्य से रोजगार उपलब्ध करा रहे हैं। जिले के कटघोरा विकासखण्ड के ग्राम छुरीकला के कोसगाई दाई मछुआ सहकारी समिति विभागीय योजनाओं से जुड़कर मछली पालन का कार्य कर रहे है। समिति के सदस्य मछली पालन को अपने आय का प्रमुख जरिया बनाया है। समिति के सदस्यों ने सफलता प्राप्त की ही नही बल्कि अब वे अपने इस काम को नई ऊंचाईयां दे रही है। समिति के सदस्यों द्वारा कृषि कार्य के साथ-साथ मछली पालन का व्ययसाय भी किया जा रहा है। उन्हें मछली पालन विभाग द्वारा आवश्यक प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन देकर मछली पालन के लिए प्रेरित किया गया, जिससे समिति के सदस्य इस कार्य में संलग्न होकर छुरी के भेलवाडबरा सिंचाई जलाशय को पट्टे पर लेकर मत्स्य पालन का कार्य प्रारंभ किया। समिति द्वारा जलाशय में रोहू, कतला, मिरगल, ग्रासकार्प जैसे अन्य मछली बीज का संचयन किया गया है। दाई महुआ सहकारी समिति के अध्यक्ष आत्माराम केंवट ने बताया कि मत्स्य पालन कार्य से जुड़कर समिति के सदस्यों की आर्थिक स्थिति में सुधार हो रहा है, इससे उन्हें आमदनी का अतिरिक्त साधन प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा उन्हें योजना के तहत 3 लाख का अनुदान एवं सहायक सामग्री के रूप में मत्स्य बीज अंगुलिका, चटजाल, आईस बॉक्स इत्यादि सामग्री भी उपलब्ध कराया गया है।

विभागीय योजनाओं से समाज के अंतिम व्यक्ति को लाभान्वित करने समन्वित प्रयास करें: मंत्री मरकाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आदिम जाति, अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहन मरकाम ने जगदलपुर में आयोजित बैठक में बस्तर संभाग में विभागीय कामकाज की समीक्षा करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में 85 प्रतिशत आबादी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के लोगों की है। राज्य शासन इन वर्गों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रही हैं।

उक्त योजनाओं-कार्यक्रमों से समाज के अंतिम व्यक्ति को लाभान्वित कर उनके आर्थिक-सामाजिक बेहतरी की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने राज्य सरकार की मंशानुरूप योजनाओं-कार्यक्रमों का कारगर क्रियान्वयन कर जमीनी स्तर पर सकारात्मक बदलाव लाने पर जोर देते हुए सभी कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देकर सुनिश्चित करने को कहा।

मंत्री श्री मरकाम ने निर्माण कार्यों को तेजी के साथ संचालित कर निर्धारित समयावधि में पूर्ण किये जाने के निर्देश दिये। वहीं बस्तर के ग्रामीण आस्था केन्द्रों देवगुड़ी एवं मातागुड़ी निर्माण कार्यों को समाज के लोगों की सहमति से उसके स्वरूप के अनुरूप किये जाने कहा।

मंत्री मरकाम कलेक्टोरेट के प्रेरणा कक्ष में आदिम जाति, अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के योजनाओं-कार्यक्रमों के क्रियान्वयन सहित विभागीय गतिविधियों की संभाग स्तरीय समीक्षा के दौरान उक्त निर्देश दिए। मंत्री श्री मोहन मरकाम ने बस्तर अंचल में वनाधिकार अधिनियम 2006 का पूरी संवेदनशीलता और सजगता के साथ क्रियान्वयन करने पर बल देते हुए पात्र लोगों को व्यक्तिगत वनाधिकार पट्टे प्रदाय सहित सामुदायिक वनाधिकार मान्यता पत्र एवं सामुदायिक वन संसाधन पत्र प्रदान किये जाने कहा। वहीं व्यक्तिगत वनाधिकार पट्टेधारकों को मनरेगा के तहत हितग्राहीमूलक कार्यों से लाभान्वित कर उनके आर्थिक विकास की दिशा में उल्लेखनीय पहल किए जाने का निर्देश दिया। उन्होंने संविधान के 275 (1) मद के तहत स्वीकृत कार्यों को प्राथमिकता देकर पूर्ण किये जाने के निर्देश दिये और उपयोगिता प्रमाण पत्र एवं पूर्णता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने कहा, ताकि अगली किश्त की राशि की मांग केन्द्र सरकार से किया जा सके। मंत्री श्री मरकाम ने विभाग द्वारा संचालित आश्रम-छात्रावासों सहित अन्य आवासीय विद्यालयों के सुचारू संचालन हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कर छात्र-छात्राओं के समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए पहल किये जाने के निर्देश दिये।

बेहतर पढ़ाई करवाने के लिए प्राचार्यों को टास्क दे

सचिव आदिम जाति, अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग डीडी सिंह ने एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय और प्रयास विद्यालयों को श्रेष्ठतम संस्थान के रूप में विकसित कर उत्कृष्टता के मानकों के अनुरूप संचालित करने पर बल देते हुए कहा कि इन संस्थानों में बेहतर पढ़ाई करवाने के लिए प्राचार्यों को टास्क दें। यहां के शिक्षकों को केंद्रीय विद्यालय एवं नवोदय विद्यालय के शिक्षकों से इंटरेक्शन करवाएं ताकि केंद्रीय माध्यमिक बोर्ड की पाठ्यक्रम के अनुसार पढ़ाई को और गुणवत्तापरक बनाया जा सके। उन्होंने इन संस्थाओं के परीक्षा परिणाम को बेहतर बनाने कहा और बच्चों को नीट, जेईई इत्यादि प्रतियोगी परीक्षाओं में चयनित होने के लिए तैयार करने के निर्देश दिये। सचिव श्री सिंह ने आगामी 09 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस के आयोजन को बेहतर ढंग से सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए समाज के लोगों की व्यापक सहभागिता के लिए बल दिया।

सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित किये जाएं

बैठक में कमिश्नर बस्तर संभाग श्याम धावड़े ने विभाग के आश्रम-छात्रावास तथा आवासीय विद्यालयों के सुव्यवस्थित संचालन करने पर बल देते हुए इन संस्थाओं में विद्युत, पेयजल, शौचालय सहित अन्य सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने कहा। वहीं बच्चों को गुणवत्तापूर्ण नाश्ता, भोजन की सुलभता कर उनकी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रीत किये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने वनाधिकार अधिनियम के तहत लम्बित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने सहित अंदरूनी इलाके के गांवों का अनिवार्य रूप से कव्हरेज कर पात्र लोगों को लाभान्वित किये जाने के निर्देश दिये। वहीं सामाजिक प्रस्थिति प्रमाण पत्र प्रदाय में अद्यतन प्रगति लाने कहा। कमिश्नर बस्तर श्री धावड़े ने बस्तर की सांस्कृतिक धरोहरों देवगुड़ी एवं मातागुड़ी निर्माण को शीघ्र पूर्ण किये जाने के निर्देश दिये।

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति ने न्यायालय परिसर का किया औचक निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलापुर के मुख्य न्यायाधिपति श्री रमेश सिन्हा ने हाईकोर्ट के मामलों की सुनवाई पश्चात् आज औचक निरीक्षण हेतु जॉजगीर-चांपा पहुंचे। उन्होंने वहां जिला न्यायालय, परिवार न्यायालय एवं विधिक सेवा प्राधिकरण के समस्त कक्षों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान वहां पर उन्होंने परिसर में अस्त व्यस्त पार्किंग, कोर्ट प्रांगण में अवारा पशुओं का विचरण, भवन की दिवालों में जगह-जगह सीपेज होना तथा वॉशरूम को अत्यधिक अस्वच्छ होना पाया। उपरोक्त तथ्यों को लेकर नाराजगी व्यक्त की एवं सभी समस्याओं के शीघ्र निराकरण हेतु जिला न्यायाधीश को निर्देश दिये गये।

ज्ञात हो कि मुख्य न्यायाधिपति द्वारा यह औचक निरीक्षण का लगातार दूसरा दिन था। मुख्य न्यायाधिपति श्री सिन्हा द्वारा अधिवक्ताओं के बाररूम का भी निरीक्षण किया गया तथा उनके समस्याओं को सुनकर शीघ्र निराकरण करने हेतु संबंधितों को निर्देश दिये। उनके द्वारा कॉन्फ्रेन्स हॉल में जिले के सभी न्यायाधीशों के साथ एक संयुक्त बैठक कर प्रकरणों को शीघ्रातिशीघ्र निराकरण करने एवं 5 से 10 वर्ष के पुराने प्रकरणों को प्राथमिकता देते हुए त्वरित गति से निराकृत करने हेतु निर्देश दिया गया। औचक निरीक्षण में उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल अरविन्द कुमार वर्मा भी शामिल थे।

ज्ञात हो कि मुख्य न्यायाधिपति रमेश सिन्हा को छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में आये हुए मात्र 03 माह ही व्यतीत हुए हैं। उक्त 03 माह के कार्यकाल में ही जिला न्यायालय रायपुर, बिलासपुर, कॉकेर, जगदलपुर दंतेवाड़ा, कोरबा, कटघोरा एवं मुंगेली का निरीक्षण कर मूलभूत सभी आवश्यक कार्य को शीघ्रातिशीघ्र दुरूस्त करने का निर्देश दे चुके हैं। इस प्रकार मुख्य न्यायाधिपति के लगातार औचक निरीक्षण करने से राज्य के समस्त जिला न्यायालयों एवं संबंधित अधिनस्थ न्यायालयों में मूलभूत सुविधाओं में सुधार होना प्रारंभ हो गया है।

मुख्यमंत्री से राज्यगीत के रचयिता डॉ. नरेन्द्र वर्मा पर शोध करने वाली पहली शोधार्थी चन्दन बाला ने की मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से छत्तीसगढ़ राज्यगीत के रचयिता डॉ. नरेंद्र देव वर्मा पर शोध करने वाली शोधार्थी सुश्री चंदन बाला ने सौजन्य मुलाकात की । सुश्री बाला ने मुख्यमंत्री को बताया कि वह डॉ. नरेंद्र देव वर्मा पर शोध करने वाली पहली शोधार्थी हैं । मुख्यमंत्री ने सुश्री बाला को बधाई एवं शुभकामनाएं दी ।

बतौर शोधार्थी सुश्री बाला के डॉ. नरेंद्र वर्मा के जीवन और राज्यगीत से जुड़े सवालों का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि छत्तीसगढ़ को समर्पित कई खूबसूरत गीत लिखे गए हैं परन्तु 'अरपा पैरी के धार' जैसी कोई रचना नहीं, जो राज्य के सम्पूर्ण वैभव एवँ सुंदरता को व्यक्त कर सके । मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि यही कारण है कि जब मैंने अरपा पैरी के धार को राज्यगीत बनाने की घोषणा की तो सभी ने एक स्वर से इसका समर्थन किया । सुश्री बाला ने बताया कि वे शासकीय दुधाधारी बजरंग कन्या महाविद्यालय, रायपुर में डॉ. सविता मिश्रा के अधीन अपना शोध कार्य कर रही हैं ।

इस अवसर सुश्री बाला के पिता मनहरण लाल साहू और माता श्रीमती बीनू साहू भी उपस्थित रहे ।

शासन की योजनाओं का पूर्ण लाभ अंतिम छोर के हितग्राही को मिले- केपी खाण्डे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष श्री के.पी. खाण्डे की अध्यक्षता में सर्व विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उन्होंने जिला सभाकक्ष में आयोजित बैठक में जिला स्तरीय अधिकारियों को अनुसूचित जाति वर्ग के सबन्ध में निर्देशित किया कि शासन की योजनाओं का पूर्ण लाभ अंतिम छोर के हितग्राही को मिले। समाज के लोगों के साथ पूर्वाग्रह से मुक्त होकर उदारता और सद्भावना पूर्वक व्यवहार करें।

अध्यक्ष खाण्डे ने अनुसूचित जाति आयोग के गठन, कार्यक्षेत्र और पीड़ितों को न्याय के बारे में सभा को जानकारी दी। बैठक में आयोग के सचिव बी.एल.बंजारे, स्थानीय विधायक श्रीमती यशोदा वर्मा और कलेक्टर गोपाल वर्मा सहित अन्य प्रतिनिधि उपस्थित थे।

बैठक में उपस्थित विधायक श्रीमती यशोदा वर्मा के द्वारा सुझाये गए जानकारियों को विभागों ने संज्ञान में लिया। कलेक्टर ने पुलिस विभाग को निर्देश दिया कि पिपरिया के लापता युवक के मामले में जीरो एफ आई. आर. दर्ज कर तत्काल जाँच करें।

राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष श्री के.पी. खाण्डे ने अधिकारियों से कहा कि अनुसूचित जाति वर्ग के लिए शासन द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों को मिले यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा इस जाति के लोगों को जागरूक भी किया जाए ताकि वे शासन की योजनाओं का पूरा लाभ उठा सके। अनुसूचित जाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत आर्थिक, मानसिक एवं शारीरिक रुप से पीड़ित हितग्राही को न्याय दिलाने एवं शासन की योजनाओं के तहत उन्हे मिलने वाली सहायता राशि से लाभान्वित किया जाए। उन्होंने कहा कि केसीजी में जातिगत प्रताड़ना का मामला शून्य है, यह सद्भावना की बड़ी बात है।

आयोग के अध्यक्ष ने कहा कि छात्रावासों में सुरक्षा के दृष्टिकोण से जिले में संचालित सभी महिला छात्रावास में महिला गार्ड की तैनाती होनी चाहिए। बैठक में सहायक आयुक्त ने जिले के छात्रावास की सुविधा, अंतर्जातीय विवाह, पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति एवं शाला आश्रमों की जानकारी तथा विभागीय गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

बैठक में अनुसूचित आयोग के सदस्य संतोष सारथी एवं अन्य प्रतिनिधि सहित बैठक में नव-पदोन्नत अपर कलेक्टर डी. एस. राजपूत, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व रेणुका रात्रे, नोडल दिलीप कुर्रे, सहायक आयुक्त आर.एस. टंडन, डॉ के.वी. राव, डॉ रविशंकर सत्यर्थी, राजकुमार सोलंकी, रविन्द्र मेहरा एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

विद्यार्थियों का तिलक लगाकर किया स्वागत

रायपुर। पी. जी. उमाठे शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल शान्ति नगर में शाला प्रवेश उत्सव का संक्षिप्त एवं गरिमापूर्ण आयोजन स्कूल प्रबंधन द्वारा रखा गया। राजधानी शहर के प्रथम नागरिक नगर पालिक निगम रायपुर के महापौर एजाज ढेबर ने रायपुर उत्तर विधायक एवं छत्तीसगढ़ राज्य गृह निर्माण मण्डल के अध्यक्ष कुलदीप सिंह जुनेजा, लालबहादुर शास्त्री वार्ड के पार्षद कामरान अंसारी सहित शाला प्रवेश उत्सव में आये सभी विद्यार्थियों का स्कूल प्रबंधन की ओर से तिलक लगाकर एवं मिठाई खिलाकर आत्मीय स्वागत किया. इस अवसर पर विद्यार्थियों को सरस्वती योजना के तहत साईकलें एवं शासन के स्कूल शिक्षा विभाग की योजना के तहत पाठ्यक्रम से सम्बंधित पुस्तकें एवं कापियाँ सहित गणवेश प्रदत्त किया गया।

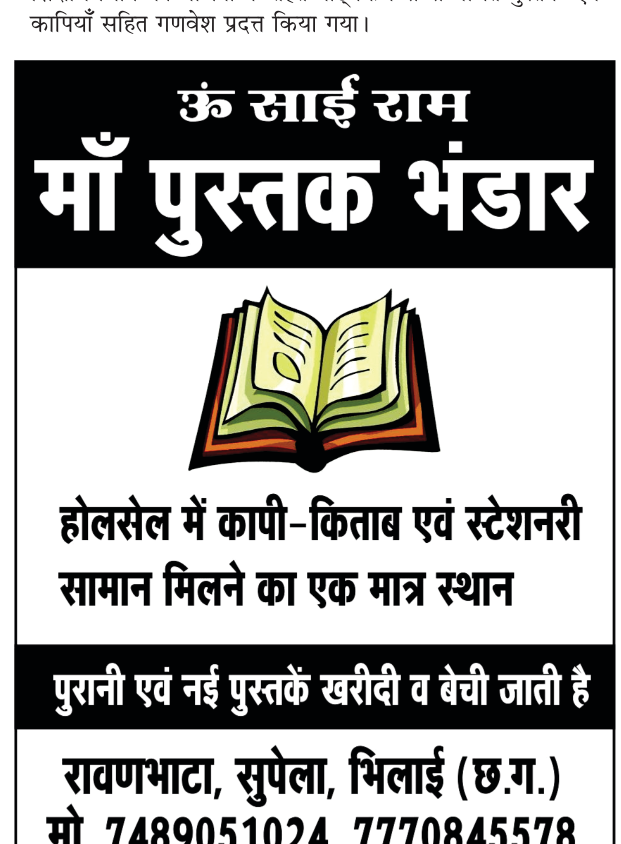

खास खबर...

छत्तीसगढ़ में अब तक 461.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2023 से अब तक राज्य में 461.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून 2023 से 28 जुलाई तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1000.5 मिमी और सरगुजा जिले में सबसे कम 154.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है।

राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सूरजपुर जिले में 287.9 मिमी, बलरामपुर में 288.0 मिमी, जशपुर में 312.8 मिमी, कोरिया में 391.3 मिमी, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 384.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी।

इसी प्रकार, रायपुर जिले में 535.7 मिमी, बलौदाबाजार में 421.9 मिमी, गरियाबंद में 483.9 मिमी, महासमुंद में 448.2 मिमी, धमतरी में 553.2 मिमी, बिलासपुर में 422.9 मिमी, मुंगेली में 541.7 मिमी, रायगढ़ में 432.8 मिमी, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 372.3 मिमी, जांजगीर-चांपा में 319.4 मिमी, सक्ती में 334.0 मिमी, कोरबा में 395.9 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 312.6 मिमी, दुर्ग में 387.7 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी। कबीरधाम जिले में 325.7 मिमी, राजनांदगांव में 620.5 मिमी, मोहला-मानपुर-अंबागढ़चौकी में 691.2 मिमी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 505.1 मिमी, बालोद में 623.4 मिमी, बेमेतरा में 314.4 मिमी, बस्तर में 559.7 मिमी, कोण्डागांव में 392.9 मिमी, कांकेर में 474.6 मिमी, नारायणपुर में 443.1 मिमी, दंतेवाड़ा में 667.5 मिमी और सुकमा में 818.4 मिमी औसत वर्षा एक जून से अब तक रिकार्ड की गई।

बेटी बचाओ का नारा देने वाले बेटियों की इज्जत को सरेआम बेच रहे हैं: कांग्रेस

रायपुर (ए)। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा ने राज्य में महिला सुरक्षा को लेकर जो ड्रामा कर रहे हैं इस पर प्रदेश कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि भाजपा के नेत्रियों को तो दिल्ली में जाकर देश के गृह मंत्री अमित शाह के बंगले का घेराव करना चाहिए। केंद्र में बैठी भाजपा की सरकार निकम्मी सरकार है। बेटी बचाओ का नारा लगाने वाले आज बेटियों के इज्जत को सरेआम नीलाम कर रहे हैं और मूकदर्शक बैठकर तमाशा देखते हैं। भाजपा नेत्रियां भी अवसरवादी राजनीति कर रही है, मणिपुर की घटना से तो भारत माता का सर भी शर्म से झुक गई है लेकिन स्मृति ईरानी, निर्मला सीता रमन, सरोज पांडे, शालिनी राजपूत जैसे भाजपा नेत्रियां दोहरे चरित्र की राजनीति करती है जो जनता भलीभांति समझती है। मणिपुर की घटना में अंधी बहरी गूंगी हो जाती है, जहां पर नग्न अवस्था में सैकड़ों के बीच एक आदिवासी बेटी को घुमाया जाता है, सामूहिक बलात्कार किया जाता है और इस मामले को छिपाने का भाजपा के नेता भरपूर प्रयास करते हैं।15 साल के शासन में पूर्ववर्ती रमन सिंह के सरकार में भी महिलाओं पर जो अत्याचार और बलात्कार की जो घटनाएं होती थी छुपाया एवं दबाया जाता था।

पीसीपीएनडीटी एक्ट के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मितानिनों और स्वसहायता समूहों को जागरूक करें: टीएस सिंहदेव

उप मुख्यमंत्री सिंहदेव की अध्यक्षता में पीसीपीएनडीटी एक्ट के राज्य पर्यवेक्षक मंडल की हुई बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री टीएस सिंहदेव ने राज्य में पीसीपीएनडीटी एक्ट के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मितानिनों और स्वसहायता समूहों की महिलाओं को जागरूक करने को कहा है। उन्होंने कहा कि ये दोनों वर्ग महिलाओं से सीधे जुड़े होते हैं और इस एक्ट के पालन में वे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने एक्ट के प्रावधानों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने को भी कहा। उप मुख्यमंत्री सिंहदेव ने आज रायपुर के नवीन विश्राम भवन में आयोजित पीसीपीएनडीटी एक्ट के राज्य पर्यवेक्षक मंडल की बैठक में ये निर्देश दिए। पीसीपीएनडीटी एक्ट के राज्य पर्यवेक्षक मंडल की आज हुई बैठक में मंडल में शामिल नए सदस्यों का स्वागत किया गया। पीसीपीएनडीटी एक्ट के संयुक्त संचालक डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने बैठक में बताया कि राज्य में संचालित 51 एफआरयू में से 40 संस्थाओं में सोनोग्राफी मशीन उपलब्ध हैं। शेष 11 संस्थाओं में छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कॉर्पोरेशन के माध्यम से मशीनों की आपूर्ति प्रक्रियाधीन है। डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि पीसीपीएनडीटी एक्ट के तहत पिछले कैलेंडर वर्ष 2022 में जनवरी से दिसम्बर के बीच कुल 960 सोनोग्राफी सेंटर्स का निरीक्षण किया गया है। चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में अप्रैल से जून के बीच 586 सेंटर्स का निरीक्षण किया गया है।

राज्य पर्यवेक्षक मंडल की बैठक में सदस्यगण विधायक उत्तरी जांगड़े और छन्नी साहू, स्वास्थ्य विभाग की अपर मुख्य सचिव रेणु जी. पिल्लै, सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संचालक भोसकर विलास संदिपान, चिकित्सा शिक्षा विभाग के संचालक डॉ. विष्णु दत्त, स्वास्थ्य विभाग के उप संचालक डॉ. महेन्द्र सिंह, एम्स रायपुर के डॉ. अतुल जिंदल, डॉ. अशोक भट्टर, डॉ. सुधीर शुक्ला, डॉ. रवि चौबे और गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

'मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा': किसानों का दिनों-दिन बढ़ रहा रूझान

अब तक 23 हजार से अधिक कृषकों ने वृक्षारोपण के लिए दी सहमति

चालू वर्ष में 36 हजार एकड़ भूमि में होगा वृक्षारोपण

पांच एकड़ से अधिक वाले किसानों का 09 हजार एकड़ रकबा पंजीकृत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में वाणिज्यिक वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ''मुख्यमंत्री वृक्ष सम्पदा योजना'' लागू की गई है। राज्य में योजनांतर्गत अब तक 23 हजार से अधिक हितग्राहियों द्वारा लगभग 36 हजार एकड़ निजी भूमि में मुख्यमंत्री वृक्ष सम्पदा योजना अंतर्गत वृक्षारोपण के लिए सहमति प्रदान कर दी गई है। इनमें पांच एकड़ से अधिक रकबा वाले किसानों का 09 हजार एकड़ रकबा में वृक्षारोपण का पंजीयन भी शाामिल है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप राज्य में वृक्षों के व्यावसायिक उपयोग को बढ़ावा देने की अपार संभानाओं को देखते हुए यह योजना लागू की गई है। योजनांतर्गत कृषकों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से कृषकों की सहमति पर उनके भूमि पर वाणिज्यिक वृक्षारोपण किया जाना है।

वन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना में किसानों द्वारा विशेष रूचि दिखाई जा रही है। मुख्यमंत्री वृक्ष सम्पदा योजना अंतर्गत अब तक पंजीकृत रकबा में टिशू कल्चर सागौन के लिए 2 हजार 600 एकड़, साधारण सागौन- 5 हजार एकड़ तथा टिशू कल्चर बांस के लिए 600 एकड़ शामिल है। इसके अलावा साधारण बांस-700 एकड़, क्लोनल नीलगिरी-18000 एकड़, चंदन-1300 एकड़, मिलिया डूबिया-825 एकड़ सम्मिलित है।

राज्य में योजनांतर्गत 36 हजार एकड़ रकबे में वृक्षों का होगा रोपण

इस संबंध में प्रधान मुख्य वन संरक्षक व्ही. श्रीनिवास राव ने बताया कि मुख्यमंत्री वृक्ष सम्पदा योजनांतर्गत राज्य में इस वर्ष विभिन्न प्रकार के प्रजाति के वृक्ष का 36 हजार एकड़ रकबे में रोपण किया जाएगा। मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना अंतर्गत समस्त वर्ग के सभी इच्छुक भूमि स्वामी पात्र होंगे। इसके अलावा शासकीय, अर्धशासकीय तथा शासन के स्वायत्व संस्थान जो अपने स्वयं के भूमि पर रोपण करना चाहते हैं, पात्र होंगे। इसी तरह निजी शिक्षण संस्थाएं, निजी ट्रस्ट, गैर शासकीय संस्थाएं, पंचायतें, भूमि अनुबंध धारक, जो अपने भूमि में रोपण करना चाहते हैं, वे पात्र होंगे।

मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य में वाणिज्यिक वृक्षारोपण को बढ़ावा देना है। इसके तहत राज्य के सभी कृषकों, शासकीय, गैर शासकीय, अर्धशासकीय, पंचायतें, अथवा स्वायत्व संस्थानों की भूमि पर वाणिज्यिक प्रजातियों के वृक्षारोपण उपरांत सहयोगी संस्था, निजी कंपनियों के माध्यम से निर्धारित समर्थन मूल्य पर वनोपज के क्रय की व्यवस्था करते हुए एक सुदृढ़ बाजार व्यवस्था आदि सुनिश्चित करना है।

आदिवासियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना हमारा मुख्य ध्येय: मुख्यमंत्री बघेल

मुख्यमंत्री से छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज के प्रतिनिधिमंडल ने की सौजन्य मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से उनके निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने इस दौरान मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के जाति समुदायों को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने के उनके प्रयासों को बड़ी सफलता मिली है।

गौरतलब है कि विगत दिवस 25 जुलाई को राज्यसभा ने संविधान (अनुसूचित जनजाति) आदेश (पांचवां संशोधन) विधेयक 2022 को मंजूरी दे दी। इसके पहले पिछले साल दिसम्बर में लोकसभा ने इस विधेयक को पारित किया था। इस अवसर पर खाद्य मंत्री अमरजीत भगत, नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया, छत्तीसगढ़ राज्य खनिज निगम के अध्यक्ष गिरीश देवांगन उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री बघेल ने राज्य सरकार के लगातार प्रयासों से मिली इस सफलता पर प्रतिनिधिमंडल को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य सरकार अनुसूचित जनजाति समुदाय को उनके अधिकारों का लाभ दिलाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने कहा कि हमारा मुख्य ध्येय राज्य में आदिवासी समाज को आगे बढ़ाते हुए उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि राज्य में हमारी सरकार के बनते ही आदिवासियों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे है।

मुख्यमंत्री बघेल ने इस अवसर पर आगे कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग की भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस संबंध में प्रधानमंत्री को भी पत्र लिखकर मात्रात्मक त्रुटि के कारण आदिवासी समुदाय को हो रही दिक्कतों से अवगत कराया गया और उन्हें अनुसूचित जनजाति में शामिल करने का आग्रह किया गया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अनुसूचित जनजाति आयोग को विभिन्न समाजों के माध्यम से जो ज्ञापन मिले, आयोग द्वारा उनकी सुनवाई कर ट्राईबल रिसर्च इंस्टिट्यूट के माध्यम से अध्ययन के बाद प्रस्ताव तैयार कर भारत सरकार को भेजा गया। राज्य सरकार की इस पहल पर जाति समुदायों को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने संबंधी विधेयक को लोकसभा और राज्यसभा से मंजूरी मिली है। मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल में सर्वश्री बी.एल. ठाकुर, भारत सिंह, प्रेमलाल सिदार, रवि सिदार, मदनलाल, हीरालाल, वेद्वती, डॉ. शंकरलाल उईके सहित आदिवासी समाज के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

अतिरिक्त आय के लिए निगम जारी करेगा म्युनिसिपल बांड

रायपुर (ए)। नगर निगम रायपुर के मुख्यालय में मेयर इन काउंसिल की बैठक आयोजनित हुई। बैठक में नियमानुसार प्रक्रिया के तहत निर्धारित 27 विभिन्न एजेण्डों पर चर्चा एवं विचार विमर्श कर नियमानुकुल निर्देश एजेण्डावार दिये गये। निगम वित्त विभाग के विभागीय प्रस्ताव के अनुसार नगर निगम रायपुर द्वारा नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 में प्रदत्त शक्तियों के तहत आगामी वित्तीय वर्ष 2023-24 में रायपुर नगर निगम के लिए आय का अतिरिक्त स्त्रोत उत्पन्न करने एवं विभिन्न आय सृजित करने वाली परियोजनाओं के वित्तीय प्रबंधन एवं संसाधन पूर्ति हेतु 200 करोड़ रु. राशि के नॉन कंवर्टिएबल डिबेंचर्स के रूप में म्युनिसिपल बांड जारी किये जाने हेतु सैद्धांतिक सहमति दी है।

मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना: युवा बन रहे उद्यमी, स्थापित कर रहे हैं खुद का व्यवसाय

550 से ज्यादा युवाओं को 215 लाख रुपए की मिली आर्थिक मदद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। युवाओं के अपने सपने होते हैं। उसे पूरा करने का उनके पास जुनून भी होता है। पढ़-लिख कर एक सफल उद्यमी और व्यवसायी बनने की राह देख रहे युवाओं के लिए आर्थिक समस्या बाधा न बने इसके लिए मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना का संचालन किया जा रहा है। इस योजना के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2022-23 में 553 युवाओं को बैंकों के माध्यम से ऋण प्रदान करते हुए 215.59 लाख रूपए का मार्जिन मनी अनुदान प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत युवाओं को व्यवसाय के लिए अधिकतम 2 लाख रुपए, सेवा उद्यम के लिए अधिकतम 10 लाख रुपए तथा

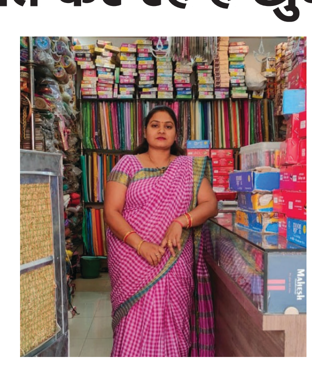

विनिर्माण उद्यम के लिए अधिकतम 25 लाख रूपए तक का ऋण बैंकों के माध्यम से प्रदान किया जाता है।

मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना का उद्देश्य राज्य के शिक्षित युवा वर्ग को स्वरोजगार के रूप में उद्योग, सेवा एवं व्यवसाय स्थापित करने में सहयोग प्रदान किया जाता है। इसके तहत राज्य के शिक्षित युवाओं को स्वरोजगार के रूप में गारंटी, प्रशिक्षण, अनुसरण और वित्तीय सहायता दी जा रही है। ताकि युवा अपनी कार्यक्षमता और योग्यता के अनुसार स्वयं का उद्योग व व्यवसाय स्थापित कर राज्य की आर्थिक प्रगति में भी अपना योगदान दे सके। इस योजना के माध्यम से युवा शक्ति का स्व-उद्यम की ओर प्रेरित कर ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों में वृद्धि करना, उपभोक्ता संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति करना एवं कृषि संबंधी सहायक उद्योग धंधों का विकास करना भी है।

इस योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक को छत्तीसगढ़ राज्य का मूल निवासी होना आवश्यक है। आवेदक न्यूनतम आठवीं कक्षा उत्तीर्ण हो। आवेदक की आयु आवेदन दिनांक को 18 से 35 वर्ष के मध्य हो। अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, महिला, नि:शक्तजन उद्यमी, नक्सल प्रभावित परिवार के सदस्य एवं सेवानिवृत्त सैनिकों के लिए आयुसीमा में 5 वर्ष की छूट प्रदान की गई है।

मतदाता जागरूकता के लिए सभी का सहयोग जरूरी : सीईओ

रायपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2023 का शुभारंभ 2 अगस्त से हो रहा है। इस दिन राज्य के सभी मतदान केंद्रों में मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन किया जाएगा। पुनरीक्षण के संबंध में दावा-आपत्ति 31 अगस्त तक प्राप्त किए जाएंगे। इसी क्रम में 12 और 13 अगस्त तथा 19 और 20 अगस्त को मतदान केंद्रों में विशेष शिविर भी आयोजित किया जाएगा।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबासाहेब कंगाले की अध्यक्षता में शुक्रवार को पुनरीक्षण कार्यक्रम में जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए छत्तीसगढ़ के विभिन्न एनजीओ के साथ बैठक आयोजित की गई। सीईओ श्रीमती कंगाले ने आसन्न विधानसभा निर्वाचन 2023 के दृष्टिगत सभी पात्र एवं पंजीकृत मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जुड़वाने के लिए संस्थाओं को सहयोग करने के निर्देश दिए।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि मतदाता सूची में नाम नहीं होने के कारण बहुत सारे मतदाता मतदान से वंचित हो जाते हैं, और यह जागरूकता की कमी से होता है। सीईओ कंगाले ने 2 अगस्त से प्रारंभ होने वाले विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के द्वितीय चरण के प्रारंभिक दिवस पर जिला मुख्यालयों में युवा, महिलाएं, वरिष्ठ नागरिक, दिव्यांगजन, तृतीय लिंग और शासकीय कर्मचारियों को सम्मिलित करते हुए शहर के प्रमुख मार्गों में वॉकाथॉन और सायकल रैली का आयोजन करने के निर्देश दिए। अधिक से अधिक लोगों तक इस कार्यक्रम की जानकारी पहुंचाने के लिए सामाजिक संस्थाओं से सहयोग की अपील भी की गई। साथ ही श्रीमती कंगाले ने विद्यालयों और महाविद्यालयों में विभिन्न गतिविधियों के आयोजन की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने नगरीय क्षेत्रों में बल्क मोबाईल एसएमएस, सोशल मीडिया पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम और पोस्टर व होर्डिंग्स के माध्यम से पुनरीक्षण अवधि के दौरान सतत रूप से प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में स्मार्ट सिटी रायपुर, जिला पंचायत, जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय रायपुर एवं अन्य विभागों के अधिकारी सहित नेहरू युवा केंद्र, स्काउट गाइड, एनएसएस, एनसीसी एवं अन्य सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

परफ्यूम, बॉडी मिस्ट, डियोड्रेंट और बॉडी स्प्रे में क्या होता है अंतर?

ज्यादातर लोग ऑफिस जाते वक्त, दोस्तों से मिलने समय और पार्टी में जाने के दौरान परफ्यूम, मिस्ट, डियोड्रेंट या बॉडी स्प्रे का इस्तेमाल करते है। इनसे पसीने की बदबू से छुटकारा मिलता है और शरीर खुशबूदार बना रहता है, जिससे आप तरोताजा महसूस करते हैं। हालांकि, ये सभी उत्पाद एक-दूसरे से थोड़े अलग हैं और अलग-अलग तरीके से बनाए जाते हैं। आइये आज इनके बीच का अंतर जानते हैं, ताकि आपको इनके चयन में किसी तरह की उलझन न हो।

परफ्यूम

परफ्यूम यानी इत्र सबसे महंगे और लंबे समय तक चलने वाली खुशबू देने वाले होते हैं।इन्हें एसेंशियल ऑयल और सुगंधित सामग्रियों के मिश्रण से बनाया जाता है। कम पानी और अल्कोहल के साथ बनी परफ्यूम की खुशबू अधिक शक्तिशाली और देर तक रहती है।किसी भी परफ्यूम में सुगंधित सामग्रियां और एसेंशियल ऑयल की मात्रा ही यह निर्धारित करती है उसकी खुशबू कितने समय तक चलेगी। आप परफ्यूम लगाने के लिए इन तरीकों को आजमा सकते हैं।

बॉडी मिस्ट

बॉडी मिस्ट आपकी त्वचा को हाइड्रेट करने में मदद करते हैं और इनकी खुशबू आपको दिन भर तरोताजा महसूस कराती है। बॉडी मिस्ट में 3 से 5 प्रतिशत तेल, पानी और अल्कोहल होता है। ऐसे में इनकी खुशबू परफ्यूम की तुलना में हल्की होती है। अगर आप छोटी यात्रा के लिए जा रहे हैं तो बॉडी मिस्ट परफ्यूम एक अच्छा विकल्प हो सकता है। इसकी खुशबू लंबे समय तक नहीं टिकेगी।

डियोड्रेंट

डियोड्रेंट एंटी-माइक्रोबियल गुणों से भरपूर उत्पाद हैं, जो आपको पूरे दिन तरोताजा रखते हुए पसीने की बदबू पैदा करने वाले बैक्टीरिया को मारते हैं। इन्हें आमतौर पर अंडरऑर्म्स पर छिड़का जाता है। यह एक ऐसी जगह है, जहां पसीना ज्यादा निकलता है।यह 3 अलग-अलग प्रकारों में आते हैं। पहला स्प्रे डियोड्रेंट, दूसरा स्टिक डियोड्रेंट और तीसरा रोल-ऑन डियोड्रेंट। आप अपनी इच्छानुसार इन विकल्पों को चुन सकतें हैं। यहां जानिए घर पर रसायन रहित डियोड्रेंट बनाने के तरीके।

बॉडी स्प्रे

बॉडी स्प्रे परफ्यूम जैसा ही होता है, लेकिन यह कम गुणकारी होता है।इसमें पानी और अल्कोहल के मिश्रण में तेल, जड़ी-बूटियों और मसालों से निकला सुगंधित अर्क होता है। इसकी खुशबू लंबे समय तक नहीं रहती है।अगर आपको खुशबू पसंद है और कुछ समय तक ही खुशबू का असर चाहते हैं तो बॉडी स्प्रे का इस्तेमाल किया जा सकता है। मनमोहक खुशबू के लिए इसे अपने पूरे शरीर पर अच्छे से स्प्रे करें।

घर की साफ-सफाई करने से भी होता हैं वेट लॉस

अगर आप घर के काम से बचते हैं तो एक स्टडी अब आपको उसी काम से प्यार करा देगा। इसके मुताबिक, अगर आपका वजन काफी बढ़ गया है और कैलोरी ज्यादा हो गई है तो घर का काम करने से कैलोरी आसानी और तेजी से बर्न होती हैं, मोटापा घटता है और वजन भी कम होता है। अक्सर लोग जिम, जॉगिंग की मदद से कैलोरी बर्न करना चाहते हैं लेकिन हाल ही में आई स्टडी कहती है कि घर की साफ-सफाई कर आप वैसा ही रिजल्ट पा सकते हैं, जितना जिम में जाकर पाते हैं। आइए जानते हैं क्या कहती है ये स्टडी।

घर की साफ-सफाई से तेजी से बर्न होगी कैलोरी

होम क्लीनिंग सर्विस कंपनी होमएग्लो की तरफ से हुई एक स्टडी में पता चला है कि घर की साफ-सफाई तेजी से कैलोरी बर्न करती है। अपनी स्टडी में कंपनी ने 5 घरों की सफाई के लिए 10 प्रोफेशनल क्लीनर्स को फिटबिट पहनकर काम करने को कहा, इसके बाद हर कमरे की सफाई के दौरान जितनी कैलोरी बर्न हुई, उसका विश्लेषण किया। जिसमें चौंकाने वाला रिजल्ट मिला है।

सफाई से कितनी कैलोरी बर्न होती है

इस स्टडी में पता चला कि 1 बीएचके फ्लैट की सफाई करने वाले प्रोफेशल क्लीनर्स की एवरेज 830 कैलोरी बर्न हो गई। ये रिजल्ट डेढ़ घंटे से ज्यादा समय तक एकदम तेज वाले वर्कआउट के बराबर है। जबकि 3 बीएचके में सफाई करने पर जो रिजल्ट आया वो 1,311 कैलोरी बर्न का है।

किचन की सफाई में बर्न होती है ज्यादा कैलोरी

इस स्टडी से जो डेटा प्राप्त हुआ, उशके मुताबिक, प्रोफेशन क्लीनर्स ने सबसे ज्यादा कैलोरी किचन की सफाई में बर्न हुई। इस दौरान औसत 276 कैलोरी बर्न हुई। ये 40 मिनट की जॉगिंग के बराबर है। स्टडी का रिजल्ट बताता है कि साफ-सफाई कैलोरी बर्न करने में जिम से बेहतर रिजल्ट दे सकता है। अगर किचन में स्क्रबिंग और मोबिंग ही करते हैं तो वेट मेंटेन रखने के लिए अलग से वर्कआउट की कोई जररूत नहीं है।

जन्मदिन पर सिगार पीते दिखे संजू बाबा, साझा किया 'डबल इस्मार्ट' से अपना फर्स्ट लुक

आज बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त अपना जन्मदिन मना रहे हैं। इस खास दिन पर एक्टर ने अपने फैंस को एक खास तोहफा दिया है। उन्होंने अपनी आगामी फिल्म 'डबल इस्मार्ट' से अपना फर्स्ट लुक पोस्टर साझा किया है। बता दें कि इस फिल्म का निर्देशन साउथ के चर्चित निर्देशक पुरी जगन्नाथ कर रहे हैं। इस फिल्म में राम पोथिनेनी लीड रोल में नजर आएंगे। वहीं, संजय दत्त भी बिगबुल बने नजर आएंगे।

इंटेंस लुक में आए नजर

संजय दत्त ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से 'डबल इस्मार्ट' से अपना लुक शेयर किया है। वह साइड पोज देते दिख रहे हैं और सिगार फूंकते नजर आ रहे हैं। ब्लैक कलर के सूट-बूट में संजय दत्त जम रहे हैं। बता दें कि यह फिल्म आठ मार्च 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म को तेलुगु, हिंदी, कन्नड़, तमिल और मलयालम में रिलीज किया जाएगा।

निर्देशक और राम पोथिनेनी के लिए कही यह बात

संजय दत ने पोस्टर साझा करते हुए लिखा, 'शानदार निर्देशक पुरी जगन्नाथ जी और उस्ताद राम पोथिनेनी के साथ काम करना बहुत गर्व की बात है। इस साई-फाई एंटरटेनर फिल्म में बिगबुल के रूप में नजर आना मेरे लिए खुशी की बात है। प्रतिभाशाली टीम के साथ काम करते हुए बहुत उत्साहित हूं। मुझे उम्मीद है कि यह फिल्म दर्शकों को जरूर पसंद आएगी।

यूजर्स ने दी ऐसी प्रतिक्रिया

संजय दत्त के फैंस को उनका यह अंदाज काफी पसंद आ रहा है। एक यूजर ने लिखा, 'स्वागत है सर, जबर्दस्त अंदाज है आपका। एक यूजर ने लिखा, 'बाबा आपका अपना अलग ही नेचुरल और जुदा अंदाज है। आपकी नई फिल्म में उसी की झलक दिख रही है। हैप्पी बर्थडे।' एक यूजर ने लिखा, 'इस फिल्म का हमें बेसब्री से इंताजर है सर।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'फिल्म की रिलीज डेट सबसे हटकर चुनी गई है। यह बढ़िया फैसला है।

रिवीलिंग डीपनेक आउटफिट में नेहा मलिक ने फ्लॉन्ट किया क्लीवेज

भोजपुरी एक्ट्रेस नेहा मलिक आए दिन अपनी बोल्ड और हॉट फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस को अपने हुस्न का दीदार करवाती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी ग्लैमरस तस्वीरें शेयर कर सोशल मीडिया का पारा गर्म कर दिया है। इन तस्वीरों में उनकी हॉटनेस देखकर फैंस का दिल मचल गया है। साथ ही फैंस उनके लुक को देखकर तारीफों के पुल बांधते नहीं थक रहे हैं। एक्ट्रेस नेहा मलिक हमेशा अपनी बोल्डनेस और स्टाइलिश फैशन सेंस से लोगों को अपना दीवाना बना देती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर कर लोगों को अपनी ओर अट्रेक्ट कर लिया है। इन तस्वीरों में उनकी सेक्सी अदाएं देखकर फैंस एक बार फिर से अपना दिल हार गए हैं। नेहा मलिक ने अपने इस फोटोशूट के दौरान फ्लोरल लुक में पर्पल और व्हाइट कलर का डीपनेक आउटफिट पहना हुआ है। एक्ट्रेस अपने इस लुक में बेहद ही खूबसूरत और हॉट दिखाई दे रही हैं। साथ ही उनके इस लुक को देखकर फैंस तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो अक्सर चर्चाओं में आ जाती हैं। हर बार की तरह इस बार फिर एक्ट्रेस नेहा मलिक अपनी इन फोटोज में और भी ज्यादा सिजलिंग हॉट लग रही हैं। नेहा मलिक अपनी इन फोटोज में एक से बढ़कर एक पोज देते किलर अंदाज में गॉर्डन में फोटोज क्लिक करवा रही हैं।

गदर 2 का हिस्सा बनना सौभाग्य की बातः सिमरत कौर

दक्षिण में बड़े पैमाने पर काम कर चुकी नवोदित अभिनेत्री सिमरत कौर गदर 2 से अपनी शुरुआत कर रही हैं, उनका कहना है कि वह उन सितारों के साथ खड़े होने के लिए भाग्यशाली महसूस करती हैं जिन्हें उन्होंने दूर से देखा है। सिमरत कौर मुंबई में गदर-2 के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर बातचीत कर रही थीं। सिमरत कौर, जो गदर 2 में चरणजीत उर्फ जीते की प्रेमिका मुकसान की भूमिका निभाती नजर आएंगी।

अपने डेब्यू के बारे में बात करते हुए सिमरत ने कहा, यह मेरी पहली फिल्म है, फिल्म भी है और स्टेज पर भी हूं। मैं यहां सबके साथ खड़ी हूं, मुझे लगता है कि मैं सबसे भाग्यशाली लड़की हूं, क्योंकि जिन लोगों को मैंने दूर से स्क्रीन पर देखा था, आज मैं उनके साथ इस मंच पर खड़ी हूं, सनी देओल और अमीषा पटेल, मैं बस हूं परमानंद. ऐसा करने के लिए ब्रह्मांड, धन्यवाद।

अनिल शर्मा के साथ अपनी पहली फिल्म करते हुए, मुझे नहीं लगता कि इस समय मुझसे ज्यादा भाग्यशाली कोई लड़की है। मैं गदर - 2 के साथ अपनी शुरुआत कर रही हूं, मैं बस ब्रह्मांड को धन्यवाद देती हूं, मैं अभी बहुत घबराई हुई हूं, मुझे नहीं लगता कि मैं अब और बात कर सकती हूं सिमरत ने कहा। अनिल शर्मा द्वारा निर्देशित और शक्तिमान तलवार द्वारा लिखित, गदर 2 2001 की फिल्म गदर: एक प्रेम कथा की अगली कड़ी है। फिल्म में सनी देओल, अमीषा पटेल और उत्कर्ष शर्मा हैं; सभी पहली फिल्म से अपनी भूमिकाएं दोहरा रहे हैं। यह फिल्म 11 अगस्त 2023 को रिलीज होने वाली है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

महारानी जिला अस्पताल में डायलिसिस करने की सुविधा से मरीजों को मिला लाभ

जगदलपुर। शासन-प्रशासन का प्रयास है हर जरूरतमंद मरीजों को सभी प्रकार की स्वास्थ्य सुविधाएं नजदीकी अस्पतालों में उपलब्ध हो। जिला प्रशासन द्वारा लगातार अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं में वृद्धि की जा रही है ताकि मरीजों को आवश्यक सुविधा प्राप्त हो सके। इस दिशा में बस्तर की महारानी अस्पताल अब इस अंचल के आम जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कर नये कीर्तिमान स्थापित कर रही है। जहां सर्वसुविधायुक्त ऑपरेशन थियेटर, अत्याधुनिक उपकरणों और विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा जटिल ऑपरेशन तथा अन्य उपचार को संवेदनशीलता के साथ सुनिश्चित किया जा रहा है। महारानी जिला अस्पताल में स्थापित डायलिसिस सेंटर में मरीजों को इलाज की सुविधा दी जा रही है। इस सेंटर में वित्तीय वर्ष 2022-23 में 1722 मरीजों ने स्वास्थ्य लाभ लिया है। जबकि वर्ष 2021-22 में 500 मरीजों ने इलाज करवाया था। इसी प्रकार देखें तो इस वर्ष के माह अप्रैल में 132, मई में 140 और जून में 138 मरीज लाभान्वित हुए हैं। किंतु गत वर्ष इन माह में 28, 46 और 62 मरीजों की संख्या थी। महारानी अस्पताल में डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध होने के चलते अब बस्तर अंचल के जरूरतमंद मरीजों को राज्य के दूसरे अस्पतालों में जाकर महंगी उपचार से निजात मिली है और उनकी समय एवं धनराशि दोनों की बचत हो रही है। सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक महारानी अस्पताल डॉ. संजय प्रसाद बताते हैं कि महारानी जिला अस्पताल में डायलिसिस सुविधा उपलब्ध होने से बस्तर के दूरस्थ क्षेत्र के मरीजों को सबसे ज्यादा सहूलियत हो रही है।

आगामी विधानसभा निर्वाचन 2023 के दृष्टिगत सीमावर्ती क्षेत्रों में कड़ाई से करें जांच - कलेक्टर

राजनांदगांव। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डोमन सिंह ने आगामी विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए सभी रिटर्निंग अधिकारी और सहायक रिटर्निंग अधिकारियों को तेज गति से तैयारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि मतदाता सूची के प्रकाशन में किसी प्रकार की गलती नहीं होना चाहिए। मतदाता सूची को सर्वप्राथमिकता के साथ त्रुटिरहित प्रकाशन कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर सिंह ने कहा कि मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन 2 अगस्त 2023 से मतदान केन्द्रों में अविहित अधिकारियों की उपस्थिति में किया जाएगा। मतदाता सूची का प्रकाशन कर ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों के मतदान केन्द्रों में पठन किया जाएगा और उसी दिन ग्राम सभा का आयोजन किया जाएगा। इसकी पूरी तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने मॉनिटरिंग करने के लिए पटवारियों की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने अविहित अधिकारी और बीएलओ को प्रशिक्षण पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने समय-समय पर राजनीतिक दलों की बैठक आयोजित करने कहा। उन्होंने सभी एसडीएम को पुलिस विभाग के साथ संवेदनशील और अतिसंवेदनशील मतदान केन्द्रों का अवलोकन करने के निर्देश दिए। स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में मतदाता जागरूकता के लिए प्रदर्शित ईव्हीएम एवं वीवीपैट मशीन की जानकारी ली। उन्होंने मतदाताओं को ईव्हीएम, वीवीपैट और बैलेट पेपर की जानकारी देने कहा। उन्होंने जिला एवं तहसील स्तर पर कन्ट्रोल रूम स्थापित करने के निर्देश दिए। जिला स्तर पर सायकल रैली एवं हेलमेट लगाकर मोटर सायकल रैली मतदाता जागरूकता हेतु आयोजन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने उच्चस्तरीय बैठक में कंजेक्टिवाइटिस की रोकथाम के उपायों की गहन समीक्षा की

कंजेक्टिवाइटिस से बचने के उपायों का किया जाए व्यापक प्रचार-प्रसार

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के स्तर तक जांच और उपचार की सुविधा उपलब्ध मरीजों को दी जा रही हैं निःशुल्क दवाईयां

श्रीकंचपनथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज यहां अपने निवास कार्यालय में एक उच्चस्तरीय बैठक में कंजेक्टिवाइटिस की रोकथाम के उपायों की गहन समीक्षा की। उन्होंने कहा कि कंजेक्टिवाइटिस से बचने के उपायों और सावधानियों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि इस बीमारी को फैलने से रोका जा सके। उन्होंने विशेषज्ञों की सलाह का उल्लेख करते हुए कहा कि लोगों को यह बताया जाए हाथों को बिना साफकिए हाथ आंखों में ना लगाएं, जिससे संक्रमण ना हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अस्पतालों में कंजेक्टिवाइटिस के मरीजों का प्राथमिकता के साथ इलाज किया जाए। ताकि उन्हें अस्पतालों में ज्यादा समय न रुकना पड़े। स्कूलों में भी यदि किसी बच्चे को कंजेक्टिवाइटिस होता है तो संक्रमण से बचने के लिए उन्हें घर भेज जाए। मुख्यमंत्री ने अस्पतालों में कंजेक्टिवाइटिस के मरीजों की जांच और इलाज तथा दवाईयों की उपलब्धता की समीक्षा भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि कंजेक्टिवाइटिस की रोकथाम के उपायों का सोशल मीडिया, प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्तर तक जांच और उपचार की सुविधा उपलब्ध है। पर्याप्त मात्रा में दवाईयां उपलब्ध हैं और मरीजों को निःशुल्क दवाईयां दी जा रही हैं। बैठक में उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री टी.एस. सिंहदेव, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य श्रीमती रेणु जी. पिल्ले, प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. आलोक शुक्ला, स्वास्थ्य विभाग के सचिव सिध्दार्थ कोमल सिंह परदेशी, स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन, संचालक लोक शिक्षण सुनील जैन, स्वास्थ्य मिशन के एमडी विलास भोसकर संदीपन, संचालक महामारी नियंत्रण डॉ. सुभाष मिश्रा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री टी.एस. सिंहदेव ने बैठक में कहा कि पिछले सप्ताह कंजेक्टिवाइटिस के जो मरीज मिले थे, उनमें से अधिकांश स्वस्थ हो गये है। दुर्ग, रायपुर में ज्यादा मरीज मिले थे। उन्होंने कहा कि लोग मेडिकल स्टोर से स्वयं स्टेराइड दवाईयां लेकर आंखों में डाल रहे है, ऐसा करना नुकसानदेह हो सकता है। इसलिए डॉक्टर की सलाह अवश्य लें।

कंजेक्टिवाइटिस से डरने की नहीं, सावधानी की जरूरत

बैठक में विशेषज्ञों ने बताया कि कंजेक्टिवाइटिस से डरने की जरूरत नहीं है, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्तर तक जांच और उपचार की व्यवस्था है। लोगों को निःशुल्क दवाईयां दी जा रही हैं। अस्पतालों में यह ध्यान रखा जाए कि यदि संक्रमण है तो आपरेशन नहीं किया जाए। विशेषज्ञों ने यह भी बताया कि सामान्यतः यह बीमारी 3 दिन में ठीक हो जाती है। यदि ठीक नहीं होती, आंखों में तकलीफरहती है या दृष्टि में धुंधलापन आता है तो नेत्र विशेषज्ञ को तुरंत दिखाएं। लोग हाथ मिलाने से बचें और बिना साफकिए हाथ आंखों में ना लगाएं।

स्वामी आत्मानंद स्कूलों में दाखिला लेने वाले 1.20 लाख विद्यार्थियों के परिजनों को हुई 210.54 करोड़ रूपए की बचत

श्रीकंचपनथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर प्रदेश में संचालित स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी व हिन्दी माध्यम स्कूल ''क्वालिटी एजुकेशन एट जीरो कॉस्ट'' का सफल मॉडल बन कर उभरा है। यहां बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा निःशुल्क मिल रही है। शासन की शिक्षा के क्षेत्र में की गई इस नवाचारी पहल से जुड़कर प्रदेश के निजी स्कूलों में पढ़ने वाले 01 लाख 20 हजार 778 बच्चों के परिजनों द्वारा फीस के रूप में खर्च की जाने वाली लगभग 210 करोड़ 54 लाख रूपए राशि की बचत हुई है। परिजनों को निजी स्कूलों की भारी भरकम फीस के कारण होने वाले आर्थिक बोझ से बड़ी राहत मिली है। ये सभी बच्चे गरीब व निम्न मध्यम वर्गीय परिवारों से है, जिन्होंने आर्थिक कारणों से निजी स्कूलों को छोड़कर शासन द्वारा संचालित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी व हिन्दी माध्यम स्कूलों में दाखिला लिया है।

स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी व हिन्दी माध्यम स्कूलों में निजी स्कूलों से भी बेहतर अधोसंरचनाओं का निर्माण किया गया और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है। प्रदेश स्तर पर योजना की सूक्ष्म समीक्षा कर इसके क्रियान्वयन का सतत आंकलन किया जा रहा है। आंकलन के दौरान पाया गया कि निजी स्कूलों के भारी भरकम फीस की वजह से गरीब, मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए अपने बच्चों को निजी स्कूलों में पढ़ा पाना संभव नहीं था। यदि ये परिजन अपने बच्चों को निजी स्कूलों में पढ़ा रहे होते तो उन्हें अपने बच्चों के लिए लगभग 210 करोड़ रूपए की फीस भरनी पड़ती। ऐसे में इन परिजनों के लिए स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी व हिन्दी माध्यम स्कूल बड़ा सहारा बना और अब उनके बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा निःशुल्क मिल रही है।

गौरतलब है कि स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में निजी स्कूलों से आए 96 हजार 226 विद्यार्थियों के परिजनों को लगभग 180 करोड़ 74 लाख रूपए की बचत तथा स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम स्कूलों में निजी स्कूलों से आए 24 हजार 552 विद्यार्थियों के परिजनों को लगभग 29 करोड़ 79 लाख रूपए की बचत हुई है। प्रदेश में 727 स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी व हिन्दी माध्यम स्कूल संचालित किए जा रहे हैं।

वेदेश्वरी शर्मा को जैविक कृषि के लिए नई दिल्ली में किया गया सम्मानित

श्रीकंचपनथ न्यूज

कोण्डागांव। जिले की कामधेनू गौशाला बडेकनेरा, की संचालिका वेदेश्वरी शर्मा को उनके द्वारा जिले में क्लस्टर वार जैविक खेती के लिए किये जा रहे है, निरंतर प्रयासों के लिए उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी विभाग, कोण्डागांव की ओर से दिल्ली में जैविक खेती को बढावा देने वाने वाले दिल्ली की संस्था एनएनएस ने 23 जुलाई को सम्मानित किया।

वेदेश्वरी ने आदिवासी बहुल क्षेत्रों में बीते 15 वर्षों से कामधेनु गौशाला संचालन के साथ-साथ जैविक खेती को बढावा देने हेतु उनके द्वारा जिले में 1000 कृषकों के साथ शुरू किया। जिसमें कृषकों को जैविक खेती से जोड़ने एवं रासायनिक खेती छुडवाने हेतु कृषकों द्वारा जैविक खेती अपनाने हेतु इनके द्वारा किये गये अथक प्रयासों के लिए यह सम्मान दिया गया।

जिले में उद्यानिकी विभाग के सहयोग से दंडकारण्य एग्रो प्रोड्यूसर कम्पनी (कृषक उत्पादक संगठन) का गठन किया गया है। जिसकी डायरेक्टर वेदेश्वरी हैं। वेदेश्वरी एवं उनकी टीम के प्रयासों से 1000 कृषक जैविक खेती कर रहे हैं। उनकी इस उपलब्धि के लिए उन्हें दिल्ली में सम्मानित किया गया। इस द्वौरान उद्यानिकी विभाग के अपर संचालक श्री भूपेन्द्र कुमार पाण्डे, उद्यान अधीक्षक लोकेश्वर प्रसाद ध्रुव भी उपस्थित रहें।

वेदेश्वरी गांव-गांव में छोटे-छोटे महिला समूह तैयार कर उन्हें पशुओं के गोबर से जैविक खाद बनाने के साथ ही गोमूत्र से कीटनाशक बनाने की विधि भी इस गौशाला में सिखाई जा रही है। गाय के गोबर से महिलाएं खाद ही नहीं दीये से लेकर की रिंग, शोपीस सजावट के सामान भी तैयार कर रही है। इस गौशाला में 250 से अधिक पशुओं के लिए हरा चारा भी तैयार होता है।

उत्कृष्ट कार्य के लिए 26 कर्मचारी सम्मानित

राज्य सरकार की योजनाओं को हर तबके तक पहुंचाना हम सबकी जिम्मेदारीः गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू

श्रीकंचपनथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के लोक निर्माण, कृषि एवं गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू स्वामी विवेकानंद सभागार पद्मनाभपुर में आयोजित पंचायत सचिव, रोजगार सहायक एवं राजीव युवा मितान, रामायण मण्डली सम्मेलन में शामिल हुए।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा यादव, जनपद अध्यक्ष देवेन्द्र देशमुख सहित विभागीय अधिकारी मौजूद थे। कार्यक्रम की शुरूआत श्री साहू ने छत्तीसगढ़ महतारी के तैलचित्र पर माल्यार्पण दीप प्रज्जवलित कर किया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मंत्री ताम्रध्वज साहू ने कहा कि पंचायत सचिव, रोजगार सचिव एवं राजीव युवा मितान, रामायण मण्डली की जिम्मेदारी राज्य सरकार की प्राथमिकता वाली योजनाओं को हर वर्ग एवं हर तबके तक पहुंचाना है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों की जिम्मेदारी की विस्तार से चर्चा की।

रामायण मण्डली के पदाधिकारियों को कहा कि आप लोगों को छत्तीसगढ़ की संस्कृति को पुर्नजीवित करना है। राज्य सरकार की योजनाओं का हर तबके तक पहुंचाने में जनपद पंचायत का महत्वपूर्ण दायित्व होता है। उन्होंने जनपद पंचायत के अधिकारियों को गौठान अध्यक्षों की बैठक, कार्यों की निरागनी एवं प्रशिक्षण समय-समय पर किये जाने की बात कही।

मंत्री श्री साहू ने कहा कि राज्य शासन के मंशानुरूप गांव में स्थापित किए गए गौठान पशुधन के संरक्षण, संवर्धन, वर्मी कम्पोस्ट एवं कीटनाशक दवाईयों, गोबर पेंट आदि के निर्माण तथा शाक-सब्जी के उत्पादन जैसे अनेक आजीविकामूलक गतिविधियों के साथ-साथ ग्रामीणों को स्वरोजगार प्रदान करने का भी माध्यम बन गया है। कार्यक्रम में मंत्री श्री साहू ने अपने करकमलों से 26 कर्मचारियों को उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रदेश में नवीन पुलिस रेंजों का हुआ गठन

अपराध, अवैध शराब, ड्रग्स, ऑनलाईन गेम्बलिंग, गांजा की अवैध तस्करी पर प्रभावी कार्यवाही के दिये निर्देश

श्रीकंचपनथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा ने प्रदेश के सभी नवपदस्थ पुलिस महानिरीक्षकों एवं पुलिस मुख्यालय की वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर कानून व्यवस्था के सुचारू संचालन के संबंध में महत्वपूर्ण निर्देश दिए। डीजीपी अशोक जुनेजा ने बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव-2023 की सुरक्षा व्यवस्था, नशीले पदार्थों, अवैध शराब, जुआं-सट्टा, ऑनलाईन गेम्बलिंग एवं गुण्डा बदमाशों के विरूद्ध कार्यवाही की रेंजवार समीक्षा की गयी एवं इसके विरूद्ध सख्त व प्रभावी कार्यवाही के निर्देश दिये।

पुलिस महानिदेशक द्वारा अभ्यस्त अपराधियों को सूचीबद्ध करने, उनके विरूद्ध रासुका तथा जिला बदर के तहत कार्यवाही करने, वारंटियों के विरूद्ध अभियान चला कर कार्यवाही करने को कहा।

पुलिस महानिदेशक श्री जुनेजा द्वारा चिटफण्ड कंपनियों के विरूद्ध की जा रही कार्यवाही की समीक्षा भी की गयी एवं पुलिस महानिरीक्षकों को निर्देशित किया गया कि जिला कलेक्टरों एवं अभियोजन शाखाओं से समन्वय स्थापित कर निवेशकों की धन वापसी के लिये लगातार प्रभावी कार्यवाही करें। आगामी चुनाव को देखते हुए प्रदेश के सभी मतदान केन्द्रों पर सुरक्षा व संचार व्यवस्था की समीक्षा भी की गयी एवं सीमावर्ती जिलों के समकक्ष अधिकारियों से बैठक करने के निर्देश दिए गए। गौरतलब है कि राज्य शासन द्वारा आम जनता की सुविधा तथा बेहतर पुलिसिंग के परिप्रेक्ष्य में छत्तीसगढ़ में पुलिस रेंज का पुनर्गठन किया गया है। रायपुर रेंज को दो भागों में विभक्त किया गया है। रायपुर रेंज में जिला रायपुर तथा रायपुर ग्रामीण रेंज में जिला-धमतरी, महासमुंद, गरियाबंद तथा बलौदाबाजार-भाटापारा शामिल होंगे। दुर्ग रेंज में जिला-दुर्ग, बेमेतरा तथा बालोद शामिल होंगे। राजनांदगांव रेंज में जिला-राजनांदगांव, कबीरधाम, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई तथा मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी को शामिल किया गया है। इसी प्रकार बिलासपुर रेंज में बिलासपुर, मुंगेली, कोरबा, रायगढ़, सारंगढ़-बिलाईगढ़, जांजगीर-चांपा, सक्ती, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही तथा जशपुर को शामिल किया गया है। बिलासपुर पुलिस महानिरीक्षक के अधीन डीआईजी रायगढ़ तथा डीआईजी रायगढ़ के अंतर्गत जिला-रायगढ़, सक्ती तथा जशपुर शामिल है। सरगुजा रेंज में जिला-सरगुजा, कोरिया, सूरजपुर, बलरामपुर-रामानुजगंज तथा मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी शामिल है। साथ ही बस्तर रेंज में जिला-बस्तर, कांकेर, कोण्डागांव, दंतेवाड़ा, बीजापुर, नारायणपुर तथा सुकमा शामिल रहेंगे तथा आई.जी. बस्तर के अधीन दो डीआईजी दंतेवाड़ा एवं कांकेर को शामिल किया गया है।

बैठक में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक द्वय हिमांशु गुप्ता एवं प्रदीप गुप्ता, पुलिस महानिरीक्षकगण अजय यादव, आनंद छाबड़ा, पी. सुंदरराज, सुशील द्विवेदी, बीएन मीणा, अंकित गर्ग, संजीव शुक्ला, राहुल भगत, आरिफशेख, रामगोपाल गर्ग भी उपस्थित रहे।

गोधन न्याय योजना ग्रामीणों के लिए बन रही है आर्थिक विकास की सेतु

सूरजपुर। शासन की महत्वाकांक्षी योजना एनजीजीबी, ग्रामीण जनों के लिए आर्थिक विकास का सेतु साबित हो रहा है। ग्राम मदनपुर की निवासी श्रीमती रूपाली हलदार वर्तमान तक गोबर का विक्रय कर 29 हजार 652 रुपए प्राप्त कर चुकी हैं। उन्होंने बताया कि हम मजदूरी करते है इसलिए हमेशा उनके मन में अपने परिवार को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का विचार रहता था। तभी शासन की गोधन न्याय योजना ने उन्हें एक अवसर दिया। आज योजना अंतर्गत वो गौठान में प्रतिदिन 70 से 80 किलो गोबर बेच रही हैं। इससे उनकी आर्थिक स्तर में काफी सुधार हुआ है। उन्होंने बताया क्योंकि पशुधन से ही उनके जीवन में यह बदलाव आया है इसलिए उन्होंने गोधन से प्राप्त राशि, पशु शेड निर्माण में खर्च की ताकि शासन की इस महती योजना से उनकी आवक बनी रहे और उनका परिवार तरक्की करते रहे।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

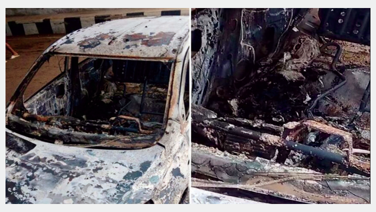

जली कार में युवक की लाश मिलने से मचा हड़कंप, जांच में जुटी पुलिस

रायपुर। राजधानी रायपुर में जली कार में युवक की लाश मिलने से हड़कंप मच गया है। माना थाना क्षेत्र के तहत धनेली के पास जली कार मिली। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की है। कार मिले शव की पहचान चंद्र शेखर सिंह के रूप में हुई है। मृतक रिटायर्ड पुलिस कर्मी का बेटा बताया जा रहा है। फिलहाल पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

माना पुलिस के अनुसार मृतक के परिजनों से पूछताछ में बताया कि चंद्र शेखर देवपुरी में ट्रांसपोर्ट का काम करता है। परिजनों ने यह भी बताया कि शुक्रवार की रात को 11 बजे के बाद वह घर के निकला था। देवपुरी से निकलने से पहले उसने फोन भी किया था इसके बाद वह घर नहीं लौटा। शनिवार की सुबह उसकी कार जली हालत में मिली। पुलिस को आशंका है कि कार दुर्घटनाग्रस्त हुई और उसके बाद इसमें आग लगी है। संभवत: दुर्घटना के बाद युवक बाहर नहीं निकल पाया और कार में आग लगने से उसकी मौत हो गई। फिलहाल पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

बदमाश को जिलाबदर करने के लिए एसपी ने भेजा प्रतिवेदन

जांजगीर (ए)। विधानसभा चुनाव के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस द्वारा जिले के निगरानीशुदा बदमाशों की कुंडली फिर से तैयार की जा रही है। उन्हें चुनाव के समय जिलाबदर करने की कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। एसपी विजय अग्रवाल ने पामगढ़ थाना क्षेत्र के बोरसी निवासी निगरानी बदमाश प्रकाश टंडन को जिला बदर करने का प्रस्ताव जिला दंडाधिकारी ऋचा प्रकाश चौधरी को भेजा है। पामगढ़ थाना क्षेत्र के बोरसी निवासी निगरानी बदमाश प्रकाश टंडन के विरुद्ध अलग-अलग धाराओं के तहत 11 अपराधिक प्रकरण दर्ज और 8 बार उसके खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है। इसके खिलाफ थाना पामगढ़ के अलावा थाना शिवरीनारायण, मुलमुला में भी नकबजनी का अपराधिक प्रकरण दर्ज है।

उसे जिला जांजगीर-चांपा सहित सरहदी जिला सक्ती, रायगढ, बिलासपुर, कोरबा, बलौदा बाजार जिलों से जिला बदर की कार्रवाई करने के लिए प्रतिवेदन भेजा गया है। प्रकाश टंडन पिता गुनाराम टण्डन हिस्ट्रीशीटर है।

आई स्पेशलिस्ट ने चेंजिंग रूम में लगाया कैमरा

महिला चिकित्सा अधिकारी ने की शिकायत आरोपी ने कोर्ट में किया खुद को सरेंडर

सक्ती (ए)। सक्ती जिले के ग्राम जेठा में स्थित संजय नेत्रालय में मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चिकित्सकों और स्टाफके कपड़े बदलने के लिए तैयार चेंजिंग रूम में कैमरा लगाया गया था। इसकी शिकायत महिला चिकित्सा अधिकारी ने की थी। महिला चिकित्सा अधिकारी ने आरोपी डॉक्टर मनोज ठाकुर के खिलाफमामला दर्ज कराया था। आरोपी ने कोर्ट में जमानत याचिका लगाई थी, जिसे रद्द कर दिया गया। इसके बाद आरोपी डॉक्टर ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया।

सहायक जिला अभियोजन अधिकारी सक्ती अरविंद कुमार जायसवाल ने बताया कि 14 मार्च 2023 को शासन स्तर पर मोतियाबिंद ऑपरेशन करने के लिए ग्राम जेठा स्थित संजय नेत्रालय को चिन्हित किया गया था। ऑपरेशन के लिए चिकित्सक और स्टाफ के कपड़े बदलने के लिए अलग से एक चेंजिंग रूम बनाया गया था। उस चेंजिंग रूम में आरोपी डॉक्टर मनोज राठौर ने अपने मोबाइल कैमरे को लगा दिया गया था। इस बीच जब चेंजिंग रूम मे एक युवती अपने कपड़े बदल रही थी, तो उसकी नजर मोबाइल कैमरे पर गई।

पीड़िता ने घटना की शिकायत बाराद्वार थाने में दर्ज कराई। जिस पर पुलिस ने आरोपी डॉक्टर के खिलाफ अपराध दर्ज किया था। 27 जुलाई 2023 को आरोपी डॉक्टर मनोज राठौर के द्वारा मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट चेतना ठाकुर के न्यायालय सक्ती में आत्म समर्पण किया। आरोपी ने जमानत के लिए आवेदन दिया था, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया।

भाई-बहन को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, बहन की मौत

बिलासपुर (ए)। मस्तूरी पुलिस दुर्घटना के 24 घंटे बाद उस गाड़ी का पता नहीं लगा सकी है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है पुलिस आसपास के उन कैमरों को तलाशती तो इस वाहन का पता लग सकता है। इधर, डॉक्टरों ने पोस्टमार्टम के बाद अंजलि का शव उनके परिजनों को सौंप दिया है।

बिलासपुर मस्तूरी थाना क्षेत्र के किरारी के पास शुक्रवार की सुबह एक अज्ञात वाहन की टक्कर से महिला की मौत की हो गई। वह अपने भाई के साथ अपनी आठ माह की बच्ची का इलाज कराने भदौरा गई थी। लौटते वक्त किरारी के पनभरिया तालाब के पास हादसा हुआ। घटना में बच्ची को भी चोट आई है। उसका अस्पताल में इलाज जारी है।

किरारी निवासी अंजलि साहू पति रवि साहू अपने भाई के साथ सुबह साढ़े आठ बजे बच्ची को लेकर डॉक्टर को दिखाने गई थी। वह अपने भाई की गाड़ी वाहन क्रमांक सीजी 10 बी बीडी 5808 में घर से निकली। दोनों भाई बहन ने बच्ची को डॉक्टर को दिखाने के बाद घर लौट रहे थे।

वे किरारी के पास पहुंचे थे तभी किसी अज्ञात वाहन ने इनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक के पीछे बैठी अंजलि बाइक से छिटककर दूर जा रही। आठ महीने का बच्चा भी हाथ से छूट गया और भाई भी गाड़ी से गिर गया। आसपास के लोगों ने इन्हें जमीन से उठाया और अस्पताल भेजा गया। यहां डॉक्टरों ने अंजलि को मृत घोषित कर दिया।

स्कॉर्पियों की ठोकर से छात्रा की मौत, गुस्साए ग्रामीणों ने फूंक दी गाड़ी, वाहन मालिक को भी पीटा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में शुक्रवार शाम को एक सड़क हादसे में 17 साल की छात्रा को अपनी जान गवांनी पड़ी। सड़क किनारे बैठी छात्रा को तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने कुचल दिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद वाहन चालक फरार हो गया लेकिन वाहन मालिक लोगों के हाथ लग गया। लोगों ने वाहन मालिक की पिटाई की और स्कॉर्पियों को आग के हवाले कर दिया। मामला जिले के कापू थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार कापू थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम ठाकुर पौड़ी में शुक्रवार को एक शादी समारोह था। स्कॉर्पियो में सवार होकर कुछ शादी में पहुंचे हुए थे। कक्षा 10वीं की छात्रा प्रीति कासते सड़क से दूर बैठी थी, इस दौरान स्कॉर्पियो तेज रफ्तार से आते हुए छात्रा प्रीति को चपेट में ले लिया। हादसे में छात्रा की मौत हो गई। हादसा होते देखने वाले ग्रामीणों ने स्कॉर्पियों को घेर लिया। इससे पहले वाहन चालक फरार हो गया।

इसके बाद ग्रामीणों के हाथ वाहन का मालिक जितेन्द्र लग गया। ग्रामीणों ने उसकी जमर धुनाई कर दी। ग्रामीणों का गुस्सा यहीं पर खत्म नहीं हुआ। ग्रामीणों ने स्कॉर्पियों की डीजल टंकी फोड़ी और उसमें आग लगा दी। देखते ही देखते स्कॉर्पियो जल गई। इतना नहीं ग्रामीण वाहन चालक की गिरफ्तारी की मांग करते हुए सड़क पर बैठ गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने समझाइश देकर जाम हटाया। इधर पंचनामा के बाद शव को पीएम के लिए भेजा गया है।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, भिलाई

(संपत्तिकर विभाग)

क्रमांक/चार/तीन/सं.क.वि./2023/506/227

भिलाई, दिनांक 27/07/2023

// स्वामित्व के हस्तांतरण की सूचना //

इस ईश्तहार द्वारा हित रखने वाले हितग्राही को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 में स्वत्वाधिकार के अंतरण के संबंध में निम्नलिखित हस्तांतरिती के नाम से जिसका कि नगर पालिक निगम भिलाई के संपत्तिकर अभिलेख में हस्तांतरणकर्ता के स्थान पर नाम दर्ज किया जाना है यदि किसी को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से 15 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है बाद मे प्रस्तुत आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा:-

क्र.	हस्तांतरणकर्ता का नाम	हस्तांतरिती का नाम	हस्तांतरण का स्वरुप	संपत्ति की स्थिति
1	चौहान हाउसिंग(चौहान ग्रीन वैली) आपेजिट-चौहान टाउन, खम्हरिया व जुनवानी, भिलाई, प्रोपराईटर-श्री अजय चौहान, आ. स्व. श्री विपत उर्फ दीपेश्वर चौहान, निवासी- राजीव नगर, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	श्री रितुराज गेन्ड्रे, आ. श्री एस.पी.गेन्ड्रे, निवासी-फ्लैट नं. 09, ब्लॉक -डी11, द्वितीय तल, चौहान हाउसिंग, चौहान ग्रीन वैली, खम्हरिया, जुनवानी, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	वार्ड नं. 01, "चौहान हाउसिंग" चौहान ग्रीन वैली, अपोजिट-चौहान टाउन, खम्हरिया एवं जुनवानी, भिलाई, फ्लैट नं. 09, ब्लॉक-"D11" द्वितीय तल, क्षेत्रफल-775.00 वर्गफीट पर आवासीय फ्लैट निर्मित।
2	श्रीमती विद्यावती, ध.प. स्व. ओम प्रकाश,(SMT. VIDYAWATI W/o LATE OM PRAKASH), निवासी-क्वा. नं. 10/ए, सड़क नं. 24, सेक्टर-7, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	श्री नवीन मदनाला, आ. श्री मदनाला सिम्हाचलम, (NAVEEN MADANALA S/o SHRI MADANALA SIMHACHALAM), निवासी-111, कोट्टा विधि, वज्रपुकोटटुरू, मण्डलम्, चिनावंका, पल्लीसरधी, श्रीकाकुलम्(आन्ध्रा प्रदेश)	बिक्रीनामा	कोहका, फरीदनगर वार्ड नं. 07(विवेकानंद नगर अंदर भाग) भिलाई, खसरा नं. 1796/5, प्लाट नं. 25 का भाग, क्षेत्रफल-1200 वर्गफीट, आवासीय भवन निर्मित।
3	1. चयन पनवर पिता श्री राजेश पनवर,(Chayan Panwar S/o Shri Rajesh Panwar), 2. श्रीमती निशा पनवर पति श्री चयन पनवर(Smt: Nisha Panwar W/o Shri Chayan Panwar), दोनो निवासी-फ्लैट नं. सी/1205ए, बारहवां तल, ट्रीपोलिस बिल्डिंग, 2-ए, राजीव गांधी नगर, विज्ञान नगर, कोटा राजस्थान। हाल मुकाम स्मृतिनगर, भिलाई, जिला-दुर्ग(छ.ग.)	श्रीमती प्रभा तिवारी पति श्री राम तिवारी(Smt. Prabha Tiwari W/o Shri Ram Tiwari), निवासी-फ्लैट नं. 204, द्वितीय तल, शिवकृपा टॉवर-1, 56/57/58, त्रिवेणीनगर, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	जुनवानी, वार्ड नं. 1, शिवकृपा टावर्स-I, 56.57.58 त्रिवेणीनगर, भिलाई, फ्लैट नं. 204, द्वितीय तल, क्षेत्रफल-88.289 वर्गमीटर पर आवासीय फ्लैट निर्मित।
4.	श्री देवाशीष सान्याल, आ. श्री गिरिन्द कुमार सान्याल, निवासी-फ्लैट नं. 24, ब्लाक -बी/13, छटवा तल, चौहान हाउसिंग, चौहान ग्रीन वैली, खम्हरिया व जुनवानी, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	श्रीमती शुभा सान्याल पति स्व. देवाशीष सान्याल, कु. शुभाधिनी सान्याल पिता स्व. देवाशीष सान्याल एवं कु. निशी सान्याल पिता स्व. देवाशीष सान्याल, निवासी-8 ए. ई. पाकेट मरोदा सेक्टर, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	वारिसान	वार्ड नं. 01, "चौहान हाउसिंग" चौहान ग्रीन वैली, अपोजिट-चौहान टाउन, खम्हरिया व जुनवानी, भिलाई, फ्लैट नं. 24, ब्लॉक-"B13" छठवा तल, क्षेत्रफल-840.00 वर्गफीट पर आवासीय फ्लैट निर्मित।
5	मेसर्स बिल्टेक इंजी. प्रा.लिमि. डायरेक्टर श्री मनीष गुप्ता आ. श्री कुलदीप गुप्ता, 54, मोतीलाल नेहरूनगर, भिलाई तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	1. श्री राजेश्वरन के पिता श्री दामोधरन नायर, 2. श्रीमती शोभा राजेश्वरन पति श्री राजेश्वरन के, निवासी-फ्लैट नं. जे/53, सूर्या अपार्टमेंट जुनवानी, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	कोहका, वार्ड - 08, सूर्या अपार्टमेंट, जुनवानी(नियर मॉडल टाउन), भिलाई, फ्लैट नं. J/53, ब्लाक-J, पंचम तल, 931.82 वर्गफीट पर आवासीय फ्लैट निर्मित।
6	चौहान हाउसिंग(चौहान ग्रीन वैली) आपेजिट-चौहान टाउन, खम्हरिया व जुनवानी, भिलाई, प्रोपराईटर-श्री अजय चौहान, आ. स्व. श्री विपत उर्फ दीपेश्वर चौहान, निवासी- राजीव नगर, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	श्रीमती शहला हुसैन, ध.प. अली असगर हुसैन, निवासी-फ्लैट नं.-23, ब्लॉक-बी/16, छठवा तल, चौहान हाउसिंग, चौहान ग्रीन वैली, खम्हरिया, जुनवानी, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	वार्ड नं. 01, "चौहान हाउसिंग" (चौहान ग्रीन वैली), अपोजिट-चौहान टाउन, खम्हरिया व जुनवानी, भिलाई, फ्लैट नं. 23, ब्लॉक-"B16" छठवा तल, क्षेत्रफल-840.00 वर्गफीट पर आवासीय फ्लैट निर्मित।
7	चौहान हाउसिंग कंपनी, जुनवानी, भिलाई, पार्टनर श्री अजय चौहान, आ. स्व विपत(दीपेश्वर) चौहान, निवासी-राजीव नगर, सुपेला, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	श्रीमती दीपा साहा, ध.प. श्री देवाशिस साहा, निवासी-फ्लैट नं.04, ब्लाक-जी11, भूतल, चौहान हाउसिंग कम्पनी, चौहानटाउन फेस-II,(पार्ट-II) चौहान टाउन, जुनवारी रोड भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	वार्ड नं. 01, चौहान हाउसिंग कंपनी, चौहान टाउन, जुनवानी, भिलाई, फ्लैट नं. 04, ब्लॉक-"G11" भूतल, क्षेत्रफल-670.00 वर्गफीट पर आवासीय फ्लैट निर्मित।

उपायुक्त (संपत्तिकर)
नगर पालिक निगम
भिलाई

लूट की शिकायत कराने वाले ड्राइवर की संदिग्ध परिस्थितियों में मिली लाश, जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। जिले के चकरभाठा थाना क्षेत्र में खून से लथपथ लाश मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान होने के बाद पुलिस भी इसे लेकर हैरत में हैं। दरअसल मृतक की मध्यप्रदेश निवासी के रूप में हुई। पेशे से ट्रक चालक था और दो दिन पहले उसने थाने पहुंचकर लूट की शिकायत दर्ज कराई थी। ड्राइवर का शव मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पंचनामा के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद भी मौत की असल वजह का पता चल पाएगा।

मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार की शाम एयरपोर्ट-तेलसरा मार्ग पर पुलिस को एक युवक की लाश मिली। आधार कार्ड के आधार पर उसकी पहचान मध्यप्रदेश के छतरपुर क्षेत्र में रहने वाले राकेश यादव (30) के रूप में हुई। पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मृतक के परिजनों को इसकी सूचना दी। मृतक राकेश यादव को लेकर पुलिस ने बताया कि दो पहले उसने थाने पहुंचकर अपने साथ 80 हजार रुपए की लूट की शिकायत दर्ज कराई थी। हालांकि उसकी शिकायत पुलिस की जांच में झूठी पाई गई।

शिकायत के बाद गायब हुआ था युवक

पुलिस ने यह भी बताया कि राकेश कुमार मध्यप्रदेश से रायपुर गया था और वहं से बिलासपुर पहुंचा था। 25 जुलाई को उसने बिलासपुर से रायपुर के लिए ट्रक लोड करवाया। इसके बाद वह ट्रक लेकर थाने पहुंचा और बताया कि दो युवकों ने उससे लूट की है। इसके बाद पुलिस ने जब जांच की तो लूट की कहानी बनी बनाई लगी। इसके बाद पुलिस ट्रक सहित ड्राइवर को थाने ले आई। रात को राकेश कुमार ट्रक छोड़कर घर जाने की बात कही और निकल गया। इसके बाद वह नहीं लौटा। 27 जुलाई की शाम को उसकी लाश मिली। अब पुलिस आसपास के सीसी टीवी फुटेज खंगाल रही है।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

खास - खबर

पीएमएफएमई की संभाग स्तरीय कार्यशाला 2 अगस्त को

दुर्ग। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजनांतर्गत (पीएमएफएमई) की संभाग स्तरीय कार्यशाला 2 अगस्त 2023 को जिला पंचायत सभाकक्ष, दुर्ग में प्रातः 10:30 बजे से 2:00 बजे तक आयोजित किया जाएगा। उक्त कार्यशाला में जिले के समस्त खाद्य प्रसंस्करण कार्यरत इकाईयों, योजना के लाभार्थी, बैंक प्रतिनिधि, जिला रिसोर्स पर्सन, जिला अग्रणी बैंक एवं इच्छुक आवेदक सम्मिलित होंगे। इस योजना का मुख्य उद्देश्य सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण एकल उद्यमी, एफ्पीओ, स्वसहायता समूह एवं सहकारिता को बैंक के माध्यम से क्रेडिट लिंकड पूंजी सब्सिडी दिया जाना है। इस योजना के तहत् नवीन एवं मौजूदा दोनों उद्यमी को पात्र परियोजना लागत का 35 प्रतिशत अधिकतम 10 लाख तक छूट का प्रावधान है। हितग्राही स्वयं का योगदान 10 प्रतिशत एवं शेष राशि बैंक के माध्यम से ऋण प्रदाय किया जाएगा इसमें सभी प्रकार के खाद्य सामग्री वनोपज पर आधारित निर्मित उत्पाद जैसे-चना, मुर्रा, भुजिया, पेठा, पापड़, आचार, बड़ी, नमकीन, मिक्चर, बेकरी का निर्माण, राईस मिल व अन्य खाद्य संबंधित उत्पादों को योजना के तहत् लाभ प्रदान किया जाएगा। इच्छुक हितग्राही उक्त कार्यशाला में उपस्थित हो सकते हैं।

राशन कार्ड ई केवाईसी की समय-सीमा में वृद्धि

दुर्ग। भारत शासन के एक राष्ट्र एक राशन कार्ड योजनांतर्गत राज्य के सभी हितग्राहियों का ई-केवाइसी, ई-पॉस उपकरण के जरिए कराया जाना है। खाद्य नियंत्रक सी.पी. दिवाकर ने बताया कि वर्तमान में प्रदेश के 2.66 करोड़ हितग्राहियों में से 1.56 करोड़ हितग्राहियों का ई-केवाईसी किया गया है। जिसमें से 1.24 करोड़ हितग्राहियों का सत्यापन की कार्यवाही लंबित है एवं 31.75 लाख हितग्राहियों का सत्यापन हो चुका है, वर्तमान स्थिति को दृष्टिगत देखते हुए ई-केवाईसी की कार्यवाही समय सीमा 31 अगस्त 2023 तक वृद्धि किया गया है। ई-केवाईसी की कार्यवाही के दौरान निरंतर खाद्यान्न वितरण जारी रहेगा। किसी भी स्थिति में वितरण बाधित नहीं होगा।

नोडल अधिकारी ने किया मनरेगा कार्यो का निरीक्षण

दुर्ग। मनरेगा के राज्य से नोडल अधिकारी सुश्री ओमेश्वरी नेताम लेखाअधिकारी ने दुर्ग जिले के मनरेगा के निर्माण कार्यो का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उप संचालक उद्यानिकी पूजा कश्यप साहू, अरदीप ढीढ़ी सहायक परियोजना अधिकारी मनरेगा उपस्थित रहे। रूवाबांधा उद्यानिकी विभाग के नर्सरी के पौधेउत्पान का निरीक्षण के दौरान बताया गया कि यहां आम, जाम, जामुन, मुनगा कार्य 4,50 पौधे संख्या 62.68 लाख की पौधे तैयार किया जा रहा है। वृक्षारोपण कार्य हेतु ग्राम पंचायत में दिया जा रहा है। वही पौधे तैयार करने से उसके देख-रेख मनरेगा के श्रमिकों के द्वारा किया जाता है। भमण के दौरान अधिकारी को जानकारी दिया गया कि जल संरक्षण एवं जल संचय करने के लिए अधिक से अधिक अमृत सरोवर तालाब का निर्माण ग्राम पंचायतों में करने का लक्ष्य रखा गया है। दुर्ग जिले में 120 अमृत सरोवर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना से बनाए गए हैं। प्रत्येक अमृत सरोवर कम से कम एक एकड़ के क्षेत्र में निर्मित किया गया है जिसमें दस हजार घन मीटर जल भराव की क्षमता होगी। सुश्री नेताम ने ग्राम पंचायत टेकपार ब्लाक धमधा में अमृत सरोवर मनरेगा के तहत भ्रमण किया गया।

79 लाख से बनेगा शौचालय, सड़क, नाली और मंच शेड

रिसाली निगम का ऐसा कोई वार्ड नहीं जहां विकास न हुआ होः ताम्रध्वज साहू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। बीस वर्ष पुराने और आज के रिसाली में बदलाव आया है। वर्तमान में नगर पालिक निगम का ऐसा कोई वार्ड नहीं है जहां पर विकास कार्य नहीं हुआ है। उक्त बातें दुर्ग ग्रामीण विधायक व लोक निर्माण, गृह और कृषि मंत्री ताम्रध्वज साहू ने कही। वे शुक्रवार को निगम क्षेत्र के अलग-अलग वार्डों में हुए भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल हुए।

गृहमंत्री लगभग 3 घंटे तक अलग-अलग वार्डो का भ्रमण किया। पूजा अर्चना कर मंत्री ने शौचालय निर्माण के लिए नींव खोदा।

वहीं नारियल तोड़ सीसी रोड, नाली और मंच शेड निर्माण के लिए शिलालेख का अनावरण किया। इस दौरान महापौर शशि सिन्हा, सभापति केशव बंछोर, पीसीसी महामंत्री जितेन्द्र साहू, एमआईसी अनुप डे, चन्द्रभान सिंह ठाकुर, गोविंद चतुर्वेदी, चन्द्रप्रकाश सिंह निगम, सोनिया देवांगन, परमेश्वर कुमार, पार्षद अनिल देशमुख, डॉ. सीमा साहू, विलास राव बोरकर, जाहीर अब्बास, टिकम साहू, विनय नेताम, जमुना ठाकुर, शीला नारखेड़े, सरिता देवांगन, रेखा देवी, माया यादव, रमा साहू, शैलेन्द्र साहू एल्डरमेन शिशिर साहू आदि उपस्थित थे।

भूमिपूजन के दौरान गृहमंत्री ने कहा कि जहां-जहां वे भूमिपूजन कर रहे है नागरिकों से सुझाव भी मिल रहे है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्थल निरीक्षण कराने के बाद जल्द से जल्द प्रस्ताव तैयार कराए और प्राथमिकता तय कर उसे शासन के पास भेजे। उन्होंने कहा कि लोगों को मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराने हर संभव प्रयास किया जाएगा।

पार्षद ने भेंट किया मिलेट मिठाई

वार्ड 30 मिल पारा में भूमिपूजन अवसर पर पार्षद अनुप डे ने मंत्री का स्वागत फ्टाका फोड़ और गमछा भेंट कर किया। पार्षद ने बतौर मुख्य अतिथि आए मंत्री ताम्रध्वज साहू को मिलेट से तैयार किया गया मिठाई उपहार स्वरूप भेंट किया। वहीं मंत्री ने प्रशन्नता जाहिर करते हुए मिठाई को अपने हॉथों से बच्चों को वितरित किया।

इन कार्यो का हुआ भूमिपूजन

वार्ड 22 में शेड निर्माण एवं पेवर ब्लाक 14 लाख, वार्ड 26 नाली निर्माण 13.99 लाख, वार्ड 31 सीसी रोड 1.80 लाख, सीसी रोड 1.13 लाख, सीसी रोड 3.16 लाख, आर सीसी कव्हर्ड डेञ्न निर्माण 2.24 लाख, विद्युतीकरण 0.80 लाख, वार्ड 28 नाली एवं सीसी रोड 14 लाख, वार्ड 29 नाली एवं सीसी रोड 13.99 लाख, वार्ड 30 शौचालय निर्माण एवं प्रवेश द्वार मरम्मत 7 लाख, सीसी रोड निर्माण 6.99 लाख।

1 करोड़ से चार हमर क्लीनिक का होगा निर्माण

जनसमान्य को स्वास्थ्य से संबंधित सभी सुविधाएं मिलेगी निःशुल्क : वोरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। निगम क्षेत्र के अंतर्गत स्वास्थ्य सेवाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है जिसके तहत् हमर क्लीनिक (अरबन हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर (यूपीएसएसी) के द्वारा वार्डो के 20 मोहल्लों में किया जा रहा है। संचालन इन क्लीनिकों को अपग्रेड और निर्माण करने पर 25-25 लाख की राशि खर्च की जा रही है। जिसके तहत् बुखार, डायरिया व बीपी शुगर सहित सामान्य रोगों के मरीजों को घर के द्वार में ईलाज की सुविधा मिलेगी।

एमबीबीएस चिकित्सक व नर्स के साथ 5 लोगों का स्टाप उपलब्ध रहेगा। क्लीनिक में पहुंचने वाले सभी लोगों को जांच व दवा का लाभ निःशुल्क मिलेगा। वर्तमान में बोरसीभाठा, गुरुघासीदास वार्ड, सतनाम भवन, कातुलबोर्ड, तितुरडीह, पुलगांव, पोलसाय पारा, मरारपारा, शांतिनगर उरला, करहीडीह, शंकरनगर में हमर क्लीनिक का संचालन किया जा रहा है। विधायक अरुण वोरा द्वारा इस कड़ी को आगे बढ़ाते हुए पद्मनाभपुर, मिलपारा, नयापारा, गजानंद नगर में एक करोड़ की लागत से नवीन बनने वाले हमर क्लीनिक का भूमिपूजन किया।

इस अवसर पर श्री वोरा ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा मोहल्ले स्तर पर स्वास्थ्य सुविधा के लिए हमर क्लीनिक योजना की शुरुवात की है। इस अस्पताल में जनसामान्य को स्वास्थ्य से संबंधित सभी जरुरी सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध होगी। वार्डो में पहुंच रहे महिलाओं के लिए दाई-दीदी मोबाइल यूनिट। 75 लाख से पोटिया व 75 लाख की लागत से पटरीपार में आयुर्वेदिक अस्पताल परिसर में भी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हेतु नवीन भवन का निर्माण किया गया।

एक दिवसीय बाढ़ एवं आपदा प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर व अध्यक्ष, इंडियन रेडक्रास सोसायटी पुष्पेन्द्र सिंह मीणा प्रेरणा एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी व सचिव डॉ.जेपी मेश्राम इंडियन रेडक्रास सोसायटी तथा जिला शिक्षा अधिकारी अभय जायसवाल के मार्गदर्शन में जिला शिक्षा अधिकारी दुर्ग एवं जिला आपदा प्रबंधन समिति (होम गार्ड) के संयुक्त आयोजन में एक दिवसीय बाढ़ एवं आपदा प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यक्रम दुर्ग नगर स्थित शास.प्रा.शाला पोटिया के पिछे स्थित ''माता तालाब'' में 28 जुलाई 2023 को किया गया ।

उक्त कार्यकम में जिले के लगभग शासकीय व अशासकीय विद्यालय एवं महाविद्यालय केएक हजार युथ व जुनियर रेडक्रास के छात्र-छात्राएं एवं प्रभारीगण सम्मिलित हुए। इसके साथ उक्त कार्यक्रम में आसपास क्षेत्र के रहवासीयों ने भी बड़ी संख्या में सहभागिता निभाई। उक्त बाढ़ एवं आपदा प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यक्रम के उद्घाटन में नागेन्द्र कुमार सिन्हा, जिला सेनानी दुर्ग, कार्यक्रम प्रभारी श्रीमती सरिता अग्रवाल, डॉ. रेशमा लकेश गर्ल्स कॉलेज दुर्ग एवं श्रीमती संगीता वर्मा घनश्याम कॉलेज दुर्ग के द्वारा किया गया।

इस दौरान नागेन्द्र कुमार सिन्हा ने उपस्थित जुनियर एवं युथ रेडक्रॉस के छात्र-छात्राओं को अपने संबोधन में कहा कि आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण हर नागरिक को लेना चाहिए। आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण प्राप्त नागरिक अपने के साथ इससे जरूरतमंद नागरिक की जन हानि को बचाता है। आपदा में फंसे उस व्यक्ति का दृढ़ निष्चय बहुत मजबुत होना चाहिए। श्री सिन्हा ने एस.डी.आर.एफ के द्वारा चलाये गये कठिन रेस्क्यू मिशन के बारे में विस्तृत जानकारी साझा की। कार्यक्रम को सहा. परियोजना अधिकारी विवेक शर्मा ने भी संबोधित किया। सरिता अग्रवाल ने कार्यक्रम का स्वागत उदबोधन दिया ।

बाबा बैद्यनाथ धाम में महापौर धीरज बाकलीवाल ने एमआईसी सदस्यों के साथ की पूजा अर्चना

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। बीते दिनों महापौर धीरज बाकलीवाल अपने परिषद के साथियों के साथ मोटर पंप खरीदी हेतु पुणे पहुंचे थे। इसके बाद उन्होंने पुणे से 140 किलोमीटर 12 जयतिलिंग भगवान भीमाशंकर का दर्शन किया।पूज्य मुनि श्री 108 सुयश सागर महाराज का दर्शन झुमरी तलैया कोडरमा झारखंड प्राप्त किया,परम् पूज्य आचार्य भगवान 108 श्री पदम् नदी महाराज का सांग बड़े कोल्हापुर महाराष्ट्र में पहुँचकर दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

परमपूज्य अन्तर्मना आचार्य भगवान 108 प्रसन्न सागर महाराज उदगांव सांगली में दर्शन किया।झारखंड के देव घर स्थित बाबा बैद्यनाथ घाम में सावन के पवित्र महीने की शुरुआत से ही भक्तो की भीड़ उमड़ी है।दुर्ग नगर निगम महापौर धीरज बाकलीवाल ने एमआईसी सदस्य दीपक साहू,संजय कोहले,भोला महोविया,हमीद खोखर एवम मोहित मरकाम के साथ झारखंड के बाबा धाम मंदिर पहुँचकर पूजा-अर्चना की।इस दौरान महापौर ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया।महापौर धीरज बाकलीवाल खुद को धन्य महसूस कर रहे हैं। महापौर बाबा वैद्यनाथ के गर्भगृह में पहुंचे. उन्होंने जल, दूध, पंचामृत के साथ ज्योतिर्लिंग का अभिषेक किया और इसके बाद मंत्रोच्चार के बीच फूल,बेल पत्र,मदार, धतूरा अर्पित कर आरती और क्षमा प्रार्थना की. महापौर ने कहा कि वो यहां आकर अभिभूत हैं.देव घर बाबा बैद्यनाथ में पुरुषोत्तम मास शुक्ल पक्ष एकादशी ज्योतिर्लिंग में दूध अभिषेक और शक्तिपीठ का दर्शन कर वो खुद को धन्य महसूस कर रहे हैं।

महापौर ने एमआईसी सदस्यों के साथ पुणे से 140 किलोमीटर 12 ज्योर्तिलिंग में से एक ज्योतिर्लिंग भगवान भीमाशंकर के दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त किये। उन्होंने शहर और प्रदेश में सुख समृद्धि की कामना की।

समोदा एवं झेंझरी मे स्थापित होगा सिवरेज ट्रिटमेंट प्लांट

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। राष्ट्रीय हरित अधिकरण ;एन.जी.टी. की मंशा के अनुरूप नगर पालिक निगम, भिलाई के सम्पूर्ण क्षेत्र से नालों के माध्यम से निकलने वाले गंदा पानी को शुद्व करने ग्राम समोदा एवं झेंझरी के दस एकड़ भूमि में नगर निगम भिलाई द्वारा सिवरेज ट्रिटमेंट प्लांट स्थापित किया जावेगा।

निगम महापौर नीरज पाल एवं आयुक्त रोहित व्यास ने ग्राम समोदा एवं झेंझरी के दस एकड़ भूमि का स्थल अवलोकन किया जहॉ निगम द्वारा 180 एम.एल.डी. क्षमता का सिवरेज ट्रिटमेंट प्लांट स्थापित किया जाना प्रस्तावित है, जिसका प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा जाना है। निगम क्षेत्र के नालों से बहने वाले गंदा पानी जो समोदा नाला में प्रवाहित होता है, उसका ट्रिटमेंट कर सिंचाई योग्य एवं मांग के आधार पर उद्योगों को प्रदान करने की योजना को मूर्तरूप प्रदान करने महापौर एवं आयुक्त ने अधिकारियों के साथ स्थल पर पहुॅचे और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस ट्रिटमेंट प्लांट के स्थापित होने से गंदा पानी जो बेकार में बह रहा है उसका शुद्विकरण कर खेतों में सिंचाई तथा उद्यागों में उपयोग हो सकेगा, बता दे की ;एन.जी.टी. के गाईडलाईन अनुसार शहरो से निकलने वाले गंदा पानी को ट्रिटमेंट कर बहु उपयोगी तथा नदी में प्रवाहित करने के निर्देश है।

निगम भिलाई इसी दिशा में ग्राम समोदा एवं झेंझरी के दस एकड़ भूमि में नगर निगम भिलाई द्वारा सिवरेज ट्रिटमेंट प्लांट स्थापित करने की योजना पर काम कर रही है। स्थल अवलोकन के दौरान संजय शर्मा, अधीक्षण अभियंता जलकार्य, सहायक अभियंता वसीम खान, एवं उपअभियंता अर्जित बंजारे परियोजना उपस्थित थे।

बीएसपी में क्रिप्टोकरेंसी एवं इनकम टैक्स रिटर्न पर सेमिनार का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के कर्मचारियों के लिए क्रिप्टोकरेंसी और इनकम टैक्स रिटर्न फाइलिंग पर अर्ध दिवसीय सेमिनार आयोजित किया गया था।

यह कार्यक्रम वित्त विभाग द्वारा द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया भिलाई शाखा के सहयोग से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में कार्यपालक निदेशक (एफ एंड ए) डॉ. ए.के. पंडा, मुख्य महाप्रबंधक डी एन करण और मुख्य महाप्रबंधक संदीप माथुर उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत, मुख्य महाप्रबंधक डी एन करण, मुख्य महाप्रबंधक संदीप माथुर, और महाप्रबंधक सत्यब्रत कर के द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर के की। साथ ही इस सत्र की वक्ता सीए सुश्री रिद्धि जैन और आईसीएआई भिलाई शाखा की अध्यक्ष सीए सुश्री पायल जैन ने भी दीप प्रज्ज्वलन किया। वक्ता सीए सुश्री रिद्धि जैन ने लियाद्य सुश्री रिद्धि जैन ने पहले भी भारत और विदेश में क्रिप्टोकरेंसी पर सेमिनार लिया है।

आयुक्त ने जारी किया आदेश

भिलाई निगम में इंजीनियर्स को मिली नई पदस्थापना, सभी जोन में हुआ बदलाव

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त रोहित व्यास ने विभागीय कार्यो में कसावट लाने तथा सुचारू संचालन के लिए अभियंताओं का नवीन पदस्थापना के आदेश जारी किया है। इसके अनुसार जोन 1, जोन 2 एवं परियोजना विभाग के अधीक्षण अभियंता दीपक जोशी होगे। जिसके अधिनस्थ जोन 1 में प्रभारी कार्यपालन अभियंता विनिता वर्मा, सहायक अभियंता नितेश मेश्राम, उपअभियंता प्रभा टोप्पा, श्वेता महिश्वर एवं पुरूषोत्तम सिन्हा तथा जोन 02 के प्रभारी कार्यपालन अभियंता केके गुप्ता, सहायक अभियंता अरविन्द शर्मा, उपअभियंता बसंत साहू, रीमा जामुलकर एवं विजेन्द्र गुप्ता होंगे।

परियोजना शाखा के कार्यपालन अभियंता बीके वर्मा, प्रभारी सहायक अभियंता, वसीम खान एवं उपअभियंता अर्पित बंजारे होगें। इसी प्रकार डीके वर्मा सचिव लोक कर्म विभाग को जोन 3 मदर टेरेसा नगर, उद्यान विभाग एवं प्रधानमंत्री आवास योजना अधीक्षण अभियंता होगे। जोन 3 मदर टेरेसा नगर के कार्यपालन अभियंता वेशराम सिन्हा, सहायक अभियंता आलोक पसीने, उपअभियंता अमित एक्का एवं शंकरसुवन मरकाम होंगे। उद्यान विभाग के कार्यपालन अभियंता आरएस राजपूत, सहायक अभियंता प्रिया खैरवार करसे, उपअभियंता श्वेता वर्मा होंगी। प्रधानमंत्री आवास योजना के कार्यपालन अभियंता बीके वर्मा, सहायक अभियंता प्रिया खैरवार करसे एवं उपअभियंता दीपक देवांगन होगे। इसी प्रकार जोन 04, जोन 05 एवं वाहन शाखा के अधीक्षण अभियंता संजय बागड़े होगें, जोन 04 के कार्यपालन अभियंता अखिल चन्द्राकर, सहायक अभियंता अजय सिंह गौर, उपअभियंता कृष्ण कुमार जंघेल, चंदन निर्मल एवं चन्द्राकंत साहू होंगे। जोन 05 के कार्यपालन अभियंता आरएस राजपूत, प्रभारी सहायक अभियंता वसीम खान, उपअभियंता श्वेता वर्मा एवं दीपक देवांगन होगें। वाहन शाखा के प्रभारी कार्यपालन अभियंता सीबी परघनिया एवं उपअभियंता अर्पित बंजारे होगें। इसीक्रम में एमएमयू, सिटी बस, कम्प्युटर, जनसूचना विभाग, जनस्वास्थ्य विभाग एवं 77 एमएलडी के अधीक्षण अभियंता संजय शर्मा होगे। एमएमयू, सिटी बस, कम्प्युटर व जनसूचना विभाग के कार्यपालन अभियंता शरद चावड़ा, सहायक अभियंता आलोक पसीने एवं उपअभियंता सिद्वार्थ साहू होगें। जनस्वास्थ्य विभाग के कार्यपालन अभियंता आरएस राजपूत होगें। 77 एमएलडी जलकार्य विभाग के कार्यपालन अभियंता आरएस राजपूत, प्रभारी सहायक अभियंता बृजेश कुमार श्रीवास्तव एवं उपअभियंता अर्पित बंजारे होगें। भवन संधारण, स्टेशनरी एवं केन्द्रीय कोष्टागार के अधीक्षण अभियंता मनोज सिंह ठाकुर, कार्यपालन अभियंता टीके रणदिवे, सहायक अभियंता प्रकाश मिश्रा एवं उपअभियंता दौलत चंद्राकर एवं अर्पित बंजारे होगें तथा दुर्ग जिला अरबन पब्लिक सर्विस सोसायटी, धनवंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर योजना, लोक सेवा गारंटी, निदान-1100, ई-गर्वनेंस, पीएम गतिशक्ति योजना के अधीक्षण अभियंता, डीके वर्मा एवं प्रभारी सहायक नोडल अधिकारी दौलत चंद्राकर होगें।

उत्कृष्ठ सेवा के लिए चिकित्सक हुए सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने 27 जुलाई को जिला चिकित्सालय दुर्ग के चिकित्सकों/अधिकारियों को उनके अभूतपूर्व कार्यों के लिए सम्मानित किया। उक्त कार्यक्रम का आयोजन डॉ. वाय.के. शर्मा, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला चिकित्सालय दुर्ग सह सचिव जीवन दीप कार्यकारिणी समिति के मार्गदर्शन में जीवन दीप समिति के सदस्यों पुरूषोत्तम कश्यप, दिलीप ठाकुर, दुष्यंत देवांगन एवं प्रशांत डोनगांवकर द्वारा आयोजित किया गया।

सम्मान समारोह में डॉ. कल्पना जैफ नेत्र रोग विशेषज्ञ को जिला चिकित्सालय में पहली बार कन्जेनाईटल कैरेक्ट सर्जरी की शुरूआत किये जाने के लिए, डॉ. कामिनी डडसेना डेंटल सर्जन को अस्पताल में पहली बार मैक्सिलोफेशियल सर्जरी की शुरूआत करने के लिए, डॉ. वाय किरण शिशु रोग विशेषज्ञ प्रिमैच्युर बच्चों हेतु सर्फेक्टेंट थेरेपी की शुरूआत करने के लिए, अस्पताल में गहन चिकित्सा इकाई के सफल संचालन के लिए डॉ. अनिल विवेक सिन्हा मेडिसीन विशेषज्ञ, डॉ. रचना दवे वरिष्ठ मेडिसीन विशेषज्ञ, डॉ. शाबिना, डॉ. अपूर्वा सेंगर, डॉ. साहजेब आसिफ चिकित्सा अधिकारियों को संयुक्त रूप से सम्मानित किया गया। इसी प्रकार ब्लड बैंक में ब्लड के समस्त कम्पोनेंट एवं रक्त दान शिविर के माध्यम से पर्याप्त मात्रा में ब्लड की उपलब्धता सुनिश्चित किये जाने के सतत कार्य हेतु डॉ. प्रवीण अग्रवाल एवं डॉ. नेहा नालवाय पैथालॉजिस्ट को, अस्पताल में ईएनटी की मेजर सर्जरी की शुरूआत के लिए डॉ. रीनू तिवारी ईएनटी विशषेज्ञ को, स्त्री रोग विभाग में रात्रिकालीन सिजेरियन प्रसव कराने एवं रिफ्र कम करने के महत्वपूर्ण योगदान के लिए डॉ. बी.आर. साहू एवं डॉ. स्मिता स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉ. ए.के. साहू रेडियोलॉजिस्ट को अस्पताल के दोनों पालियों में मरीजों को सोनोग्राफी के साथ-साथ सीटी स्कैन की सुविधा निर्धारित समय पर उपलब्ध कराये जाने के कार्य हेतु सम्मानित किया गया। डॉ. बसंत चौरसिया निश्चेतना विशेषज्ञ को आपातकालीन एवं मेजर सर्जरी के कार्य हेतु सम्मानित किया गया, समय की पाबंदी एवं उत्कृष्ट सर्जन हेतु डॉ. सरिता मिंज सर्जिकल विशेषज्ञ को जिला चिकित्सालय में न्यूरो सर्जरी की शुरूआत किये जाने के लिए डॉ. कुलदीप सिंग न्यूरोसर्जन सम्मानित किये गये, डॉ. सुनीता, डॉ. श्रेया वर्मा, डॉ. सदफ फिरदौस चिकित्सा अधिकारियों एवं डॉ. तान्या जायसवाल दंत चिकित्सक को नियमित रूप से सौपे गये कार्यों को सुचारू रूप से संपादित किये जाने के लिए सम्मानित किया गया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950